दैनिक
बुलन्द मंज़िल
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 | अंक : 132 | संभल, शुक्रवार 24 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.

पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात , डॉ श्यामा प्रसाद...

पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

विधानसभा चुनाव: बंगाल में पहले चरण में 91% से अधिक वोटिंग, तमिलनाडु में करीब 85% मतदान

बंगाल में 91.40% और तमिलनाडु में 84.35% दर्ज हुआ मतदान

कोलकाता/चेन्नई। लोकतंत्र के महापर्व में आज पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में वोट डाले गए। पश्चिम बंगाल में पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान कराए गए। तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर एक ही चरण में वोट डाले गए। शाम छह बजे आधिकारिक रूप से मतदान समाप्त हो गया। कुछ जगहों पर कतार में लगे वोटर्स मतदान कर रहे हैं। निर्वाचन आयोग की तरफ से आधिकारिक मतदान प्रतिशत जारी किया जाना बाकी है। बंगाल और तमिलनाडु में मतदान समाप्त होने के बाद प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के भ्रष्टाचार का सूरज डूब चुका है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि बंपर मतदान का कारण मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) का प्रतिरोध है।

यह हिंसक घटना दुबराजपुर के खैरासोल घुमर गांव में हुई है। शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए यहां सीआरपीएफ जवानों की ड्यूटी लगाई गई थी। इसी दौरान अचानक कुछ लोगों ने जवानों पर पत्थरबाजी शुरू कर दी।

घटना के बाद इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर स्थिति को नियंत्रण में लिया गया है। पश्चिम बंगाल के मालदा में मतदान के दौरान हिंसा की घटना सामने आई है। यहां की चांचल विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार रतन दास के पोलिंग एजेंट लक्ष्मण पांडेय पर टीएमसी कार्यकताओं ने कथित तौर पर हमला कर दिया है। इस दौरान उनकी गाड़ी में भी जमकर तोड़फोड़ की गई। हमले का शिकार हुए लक्ष्मण पांडेय ने बताया कि जब वह पोलिंग बूथ की तरफ जा रहे थे, तभी टीएमसी कार्यकताओं ने उन्हें रास्ते में घेर लिया और हमला किया। पांडेय ने यह गंभीर आरोप भी लगाया कि टीएमसी के लोग करीब 150 से 200 मतदाताओं को वोट डालने से रोक रहे थे।

पश्चिम बंगाल के मालदा में मतदान के दौरान हिंसा की घटना सामने आई है। यहां की चांचल विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार रतन दास के पोलिंग एजेंट लक्ष्मण पांडेय पर टीएमसी कार्यकताओं ने कथित तौर पर हमला कर दिया है। इस दौरान उनकी गाड़ी में भी जमकर तोड़फोड़ की गई। हमले का शिकार हुए लक्ष्मण पांडेय ने बताया कि जब वह पोलिंग बूथ की तरफ जा रहे थे, तभी टीएमसी कार्यकताओं ने उन्हें रास्ते में घेर लिया और हमला किया। पांडेय ने यह गंभीर आरोप भी लगाया कि टीएमसी के लोग करीब 150 से 200 मतदाताओं को वोट डालने से रोक रहे थे।

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में बंपर वोटिंग हुई। पश्चिम बंगाल में शाम साढ़ें पांच बजे तक 89.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। वहीं, तमिलनाडु में भी लोगों ने बढ़-चढ़कर लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लिया है और यहां शाम साढ़ें पांच बजे तक 82.24 प्रतिशत मतदान हुआ है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान बहरामपुर सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अधीर रंजन चौधरी ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और क्षेत्र के माहौल पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में सत्ता विरोधी लहर (एंटी-इंकंबेंसी) के साथ-साथ एसाईआर (स्पेशल ऑब्जर्वर रिपोर्ट/सिस्टम) का स्पष्ट प्रभाव दिखाई दे रहा है। चौधरी ने कहा कि हालांकि कांग्रेस ने शुरूआत से ही इस व्यवस्था का विरोध किया था, लेकिन इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि चुनाव आयोग की सख्ती के कारण क्षेत्र में गुंडागर्दी में काफी कमी आई है। उनके अनुसार, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की दिशा में यह एक राहत भरी खबर है। देश के दो प्रमुख राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान जारी है। दोपहर 3 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में पहले चरण के तहत 78.77% मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है, जो भारी उत्साह को दर्शाता है। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर एक साथ हो रहे चुनाव में अब तक 70% मतदान दर्ज किया गया है। कड़ी सुरक्षा के बीच दोनों राज्यों में मतदाता लंबी कतारों में खड़े अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल चुनाव 2026 के पहले चरण के दौरान नंदीग्राम में सियासी आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। तृणमूल कांग्रेस ने पुलिस पर भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया है। राज्य मंत्री शशि पांजा ने कहा कि नंदीग्राम में तैनात कुछ पुलिस अधिकारी निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि टीएमसी के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल से मिलकर शिकायत की है और दो पुलिस अधिकारियों को हटाने की मांग की है।

बीरभूम में मतदान के दौरान हिंसा, सीआरपीएफ जवानों पर पथराव

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण के मतदान के बीच हिंसा की बड़ी खबर सामने आई है। बीरभूम जिले के दुबराजपुर विधानसभा क्षेत्र में सुरक्षा बलों को निशाना बनाया गया है। यहां तैनात सीआरपीएफ के जवानों पर स्थानीय लोगों ने अचानक पथराव कर दिया, जिससे इलाके में तनाव फैल गया है।

आसनसोल में भाजपा उम्मीदवार की गाड़ी पर पथराव

पश्चिम बंगाल चुनाव 2026 के दौरान आसनसोल दक्षिण सीट से भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल की गाड़ी पर कथित तौर पर पथराव की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, यह घटना रहमत नगर इलाके में हुई, जिसमें गाड़ी के शीशे टूट गए। इसके बाद अग्निमित्रा पॉल ने हिरापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है और मामले की जांच की जा रही है।

आंतों में गड़बड़ी से शुरू हो सकती हैं ऑटोइम्यून बीमारियां, थकान और जोड़ों का दर्द शुरूआती संकेत

नई दिल्ली। लगातार थकान, पेट फूलना और जोड़ों में हल्का दर्द अक्सर सामान्य कारण मानकर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं, लेकिन ये शरीर में अंदरूनी असंतुलन के संकेत हो सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कई ऑटोइम्यून बीमारियों की शुरूआत आंतों के माइक्रोबायोम में गड़बड़ी से जुड़ी होती है, जिससे प्रतिरक्षा तंत्र भ्रमित होकर शरीर पर ही प्रतिक्रिया करने लगता है। पढ़िए रिपोर्ट-

अक्सर लगातार थकान को तनाव, पेट फूलने को जल्दबाजी में खाए भोजन और जोड़ों की अकड़न को उम्र या लंबे कामकाजी घंटों का असर मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन कई बार ये समस्याएं शरीर में गहरे असंतुलन का संकेत होती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, कई ऑटोइम्यून बीमारियों की शुरूआत आंतों यानी गट से हो सकती है, जहां प्रतिरक्षा तंत्र धीरे-धीरे शरीर के खिलाफ काम करना शुरू कर देता है।

नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के अनुसार आंतें केवल भोजन पचाने का काम नहीं करतीं, बल्कि ये शरीर के सबसे बड़े प्रतिरक्षा केंद्रों में से एक हैं। करीब 70 प्रतिशत प्रतिरक्षा गतिविधि आंतों की परत के आसपास होती है। यही वह स्थान है जहां शरीर लगातार यह तय करता है कि कौन-सी चीज सुरक्षित है और कौन-सी हानिकारक। आंतों में बैक्टीरिया, वायरस व फंगस का एक विशाल तंत्र होता है, जिसे माइक्रोबायोम कहा जाता है। इनमें से कई प्रतिरक्षा तंत्र को प्रशिक्षित करने, सूजन को नियंत्रित करने व शरीर को नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। जब आंतों में यह संतुलन बिगड़ जाता है, तो इसे डिस्बायोसिस कहा जाता है।

ऐसी स्थिति में प्रतिरक्षा तंत्र भ्रमित हो सकता है। एनआईएच के अनुसार गट माइक्रोब्स में गड़बड़ी का संबंध कई ऑटोइम्यून बीमारियों से लगातार जोड़ा जा रहा है। आंतों की भीतरी परत कमजोर होने पर विषैले तत्व रक्त प्रवाह में पहुंच सकते हैं। प्रतिरक्षा तंत्र इन्हें खतरे के रूप में पहचानता है और सूजन की प्रतिक्रिया शुरू कर देता है। यदि यह प्रक्रिया लंबे समय तक चलती रहे, तो प्रतिरक्षा तंत्र शरीर के ऊतकों पर हमला करना शुरू कर सकता है।

हर दर्द पर भारी पड़ी मेहनत

बीमार मां और किसान पिता ने दिया हौसला; कशिश ने रच दिया इतिहास

सीतापुर। की कशिश वर्मा ने 97.83 फीसदी अंकों के साथ 10वीं में यूपी टॉप किया। वह महमूदाबाद स्थित बाबू राम सावित्री देवी स्कूल की छात्रा हैं। उन्हें 600 में 587 अंक मिले हैं। परिणाम आने के बाद से घर में खुशी का माहौल है। आसपास के लोगों ने घर पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। लोग बधाई देने के लिए उन्हें लगातर फोन करते रहे। उनके फोन की घंटी लगातार घनघनाती रही। अमर उजाला से कशिश ने बताया कि उनके घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। मां गृहिणी हैं। वह बीमार रहती हैं। पिता किसान पुतान खेती करके परिवार का पालन पोषण करते हैं। वह हमेशा उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। हमेशा उनका हौसला बढ़ाते हैं। कशिश वर्मा की सफलता सिर्फ अंकों की कहानी नहीं, बल्कि संघर्ष और हौसले की एक ऐसी

मिसाल है जो हर किसी के लिए उदाहरण है। उन्होंने 97.83 फीसदी अंक हासिल करके प्रदेश में टॉप किया। उनके लिए यह लक्ष्य आसान नहीं था, इस उपलब्धि के पीछे अनगिनत मुश्किलें छिपी हैं। घर की आर्थिक स्थिति कमजोर, मां की खराब तबीयत और सीमित संसाधनों के बावजूद कशिश ने हार नहीं मानी। वह बताती हैं कि उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा उनकी मां हैं। उनकी बीमारी ने उन्हें और मजबूत बनाया। पिता खेती करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं, ऐसे में उन्होंने पढ़ाई को ही अपने सपनों का रास्ता बनाया। कशिश का सपना शिक्षक बनकर समाज को नई दिशा देना है। वह मानती हैं कि शिक्षा ही वह ताकत है, जो हर मुश्किल को आसान बना सकती है। उनकी यह सफलता उन तमाम बेटियों के लिए उम्मीद की किरण है, जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने सपनों को जिंदा रखती हैं।

नेपाल के '100 रुपये वाले' नियम पर आ गया भारत का जवाब, अब बिहार बॉर्डर पर नहीं होगी दिक्कत

नई दिल्ली। भारत और नेपाल के बॉर्डर पर दशकों से लोग आसानी से एक तरफ से दूसरी तरफ आ जा सकते हैं। इस आवाजाही से नेपाल के लोगों को पूरा फायदा मिलता रहा है, जिससे वो भारत के सीमावर्ती बाजारों में किराने का सामान, दवाएं, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स और शादी-ब्याह का सामान खरीदने आते हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के कस्टम ड्यूटी लगाने से नेपाल के लोगों के लिए दिक्कतें बढ़ गई हैं। नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग सरकार के इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। नेपाल के कस्टम ड्यूटी वाले फैसले पर अब भारतीय विदेश मंत्रालय का बयान सामने आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'हमें नेपाली अधिकारियों द्वारा एक मौजूदा

नियम को लागू किए जाने की रिपोर्ट की जानकारी है, जिसके तहत सीमा पार करने वाले यात्रियों से कस्टम ड्यूटी ली जाती है, यदि वे भारत में खरीदे गए 100 नेपाली रुपया से अधिक मूल्य का सामान अपने साथ ले जा रहे हों। रणधीर जायसवाल ने आगे कहा, 'हम समझते हैं कि नेपाल सरकार ने यह कदम मुख्य रूप से अनौपचारिक व्यापार और तस्करी पर रोक लगाने के उद्देश्य से उठाया है। विदेश मंत्रालय की तरफ से आगे बताया गया, 'हमने एक वरिष्ठ नेपाली अधिकारी का यह बयान भी देखा है कि निजी इस्तेमाल के लिए घरेलू सामान ले जा रहे आम लोगों को नहीं रोका जाएगा। भारत के बिहार राज्य की सीमा नेपाल से लगती है। ऐसे में नेपाल के लोग बिहार आकर अपनी जरूरत का सामान ले जाते थे। अब विदेश मंत्रालय के बयान से साफ है कि निजी इस्तेमाल के लिए सामान ले जाने वाले लोगों को बिहार बॉर्डर पर नहीं रोका जाए। नेपाल के लोगों को सीमा पार करके भारत से सामान ले जाने में अब तक कभी कोई दिक्कत नहीं आई थी, लेकिन अब उन्हें परेशानी झेलनी पड़ रही है। प्रधानमंत्री बालेन शाह के इस फैसले के खिलाफ नेपाल में विरोध-प्रदर्शन चल रहे हैं। बालेन शाह की सरकार ने कस्टम ड्यूटी (सीमा शुल्क) लागू करने के नियम को नजरअंदाज किया हुआ था, लेकिन अब नेपाल सरकार इस फैसले पर लोगों का विरोध झेल रही है।

आजम खां को कोर्ट से फिर झटका: शत्रु संपत्ति केस में जमानत खारिज

रामपुर। शत्रु संपत्ति के अभिलेखों से छेड़खानी के मामले में बढ़ाई गई धाराओं में सपा नेता आजम खां को कोर्ट से झटका लगा है। एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने उनका जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने धोखाधड़ी से जुड़ी धाराओं को बढ़ाया गया था। शत्रु संपत्ति का यह मामला 2020 से जुड़ा हुआ है। वर्ष 2020 में रिकार्ड रूम प्रभारी फरीद अहमद की ओर से सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज कराया था। इसमें सपा नेता पर धोखाधड़ी कर रिकॉर्ड रूम में रिकॉर्ड (अभिलेखों) से छेड़खानी करने का आरोप लगा था। इस मामले की तफ्तीश के बाद पुलिस ने सपा नेता आजम खां के खिलाफ पुलिस ने जांच करते हुए चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी। पुलिस की इस चार्जशीट में धारा 218 के साथ ही 420, 467, 471, 120 बी, 201 लगाई गई थी। इस मामले में सपा नेता की ओर से अपने अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट में जमानत के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया था। एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में मामले में सुनवाई चल रही थी। बृहस्पतिवार को कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। अभियोजन अधिकारी स्वदेश शर्मा ने बताया कि एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट शोभित बंसल की कोर्ट ने सपा नेता आजम खां की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। सपा नेता इस वक्त रामपुर जेल में बंद हैं। सपा नेता आजम खां के खिलाफ तत्कालीन डीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कोर्ट में अभियोजन की बहस पूरी हो गई है।

2006 मालेगांव ब्लास्ट केस: बॉम्बे हाईकोर्ट ने चार आरोपियों को किया बरी, जांच एजेंसियों पर उठाए गंभीर सवाल

मुंबई । बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2006 मालेगांव बम धमाका मामले में चार आरोपियों राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर नरवरिया और लोकेश शर्मा को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मामला अब डेड एंड पर पहुंच गया है और जांच एजेंसियों की विरोधाभासी कहानियों ने केस को उलझा दिया है। आइए विस्तार से जानते हैं।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2006 मालेगांव बम धमाका मामले में अहम फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को आरोपमुक्त कर दिया है। अदालत ने मामले की जांच पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह केस अब डेड एंड यानी ऐसे मोड़ पर पहुंच चुका है, जहां से सच्चाई तक पहुंचना मुश्किल नजर आता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जांच एजेंसियों की परस्पर विरोधी कहानियों ने पूरे मामले को उलझा दिया है।

हाईकोर्ट ने राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर राम सिंह नरवरिया और लोकेश शर्मा को राहत देते हुए कहा कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने लायक पर्याप्त सबूत नहीं हैं। अदालत ने सितंबर 2025 में विशेष अदालत द्वारा तय किए गए आरोपों को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि विशेष अदालत ने आरोप तय करते समय उपलब्ध साक्ष्यों और विरोधाभासों पर सही ढंग से विचार नहीं किया।

क्या है मामला?

यह मामला 8 सितंबर 2006 का है, जब मालेगांव शहर में सिलसिलेवार चार बम धमाके हुए थे। इनमें तीन धमाके हमीदिया मस्जिद और बड़ा कब्रिस्तान परिसर में जुमे की नमाज के तुरंत बाद हुए थे, जबकि चौथा धमाका मुशावरत चौक में हुआ था। इन धमाकों में 31 लोगों की मौत हो गई थी और 312 लोग घायल हुए थे।

कैसे हुई जांच?

मामले की शुरूआती जांच आतंकवाद विरोधी दस्ता ने की थी। एटीएस ने दावा किया था कि इस साजिश के पीछे नौ मुस्लिम आरोपी थे। एजेंसी ने घटनास्थल से सबूत जुटाने, आरडीएक्स के निशान मिलने और अन्य फोरेंसिक तथ्यों का हवाला दिया था। अदालत ने कहा कि एटीएस द्वारा जुटाए गए मिट्टी के नमूनों और एक आरोपी के गोदाम से लिए गए नमूनों में समान विस्फोटक तत्व पाए गए थे। बाद में जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंप दी गई। एनआईए ने पूरी तरह अलग कहानी पेश करते हुए दावा किया कि धमाकों के पीछे दक्षिणपंथी चरमपंथी तत्व थे। एजेंसी ने पहले गिरफ्तार किए गए नौ मुस्लिम आरोपियों को क्लीन चिट दे दी और चार नए आरोपियों को नामजद किया। एनआईए की चार्जशीट में स्वामी असीमानंद के बयान का भी उल्लेख किया गया था, जिसमें कहा गया था कि धमाके दिवंगत दक्षिणपंथी कार्यकर्ता सुनील जोशी के सहयोगियों ने किए थे। हालांकि बाद में असीमानंद ने यह बयान वापस ले लिया था।

अंतिम संस्कार से लौट रहे वाहन खाई में गिरा आठ लोगों की मौके पर मौत

टिहरी चंबा। कोटीकॉलोनी मार्ग पर नैल के समीप एक वाहन खाई में गिर गया। वाहन में दस लोग सवार थे। इस दौरान आठ लोगों की मौके पर मौत हो गई। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने आठ लोगों की मौत की पुष्टि की है। वहीं, दो लोग अभी घायल हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। जानकारी के अनुसार सभी लोग घनसाली के चांजी, ठेला और चकरेडा गांव के थे, जो किसी के अंतिम संस्कार में शामिल होने हरिद्वार गए थे और वापस आ रहे थे।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

सम्पादकीय

संभल
शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

संपादकीय

ईरान की ताकत बरकरार, अमेरिका के घटे हथियार! क्या इसी वजह से ट्रंप ने बढ़ाया युद्धविराम?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी संघर्षविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ाने का ऐलान किया है। यह फैसला उस समय लिया गया जब संघर्षविराम समाप्त होने में कुछ ही घंटे बाकी थे और हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे थे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम ईरान को एक साझा और स्पष्ट प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के लिए उठाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि यह निर्णय पाकिस्तान के अनुरोध पर लिया गया है। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस फैसले के लिए ट्रंप का धन्यवाद किया और इसे क्षेत्रीय शांति के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। ट्रंप ने भी अपने संदेश में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भूमिका का जिक्र किया।

हालांकि, संघर्षविराम के ऐलान के बावजूद जमीन पर हालात पूरी तरह शांत नहीं हैं। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी जारी रखी है और अपनी सैन्य तैयारियों को बरकरार रखा है। वहीं ईरान ने साफ कर दिया है कि वह धमकियों और दबाव के माहौल में किसी भी तरह की बातचीत के लिए तैयार नहीं है।

इस बीच, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हवाई हमले जारी रखे हैं, जिसमें कई लोग घायल हुए और कई घरों को नुकसान पहुंचा। गाजा में भी हमले जारी हैं, जिससे क्षेत्र में मानवीय संकट और गहरा गया है। इस स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संघर्षविराम केवल कागजी राहत है, जबकि वास्तविकता में तनाव बना हुआ है। राजनयिक स्तर पर भी स्थिति उलझी हुई है। इस्लामाबाद में बातचीत को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और ईरानी प्रतिनिधिमंडल के नहीं पहुंचने से आंतरिक मतभेदों के संकेत मिल रहे हैं। चीन ने भी स्थिति को गंभीर बताते हुए हस्तक्षेप किया है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की मांग की है।

अब यदि अमेरिकी रक्षा विभाग की खुफिया शाखा के ताजा आकलन की बात करें, तो यह तस्वीर और जटिल हो जाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान अब भी अपनी प्रमुख सैन्य क्षमताएं बनाए हुए है और वह एक मजबूत क्षेत्रीय शक्ति बना हुआ है। यह आकलन उन दावों के विपरीत है, जिनमें कहा गया था कि ईरान की सैन्य ताकत को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया गया है। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की वायु और नौसेना पूरी तरह नष्ट नहीं हुई है और उसकी रणनीतिक क्षमता अभी भी प्रभावी बनी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि अमेरिका के सार्वजनिक बयान और वास्तविक स्थिति में अंतर है। यह अंतर भविष्य की रणनीति और निर्णयों को प्रभावित कर सकता है।

इसी बीच, एक और महत्वपूर्ण रिपोर्ट सामने आई है, जिसने अमेरिका की सैन्य तैयारियों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। रक्षा विश्लेषकों और पेंटागन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, ईरान के साथ सात सप्ताह तक चले संघर्ष में अमेरिका ने अपने कई महत्वपूर्ण मिसाइल भंडार का बड़ा हिस्सा खर्च कर दिया है। एक अध्ययन के अनुसार, अमेरिका ने अपने प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइल का लगभग 45 प्रतिशत, थाड इंटरसेप्टर का लगभग आधा और पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइलों का करीब 50 प्रतिशत इस्तेमाल कर लिया है। इसके अलावा टॉमहॉक मिसाइल का लगभग 30 प्रतिशत और अन्य लंबी दूरी की मिसाइलों का भी बड़ा हिस्सा खर्च हो चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के पास फिलहाल ईरान के खिलाफ अभियान जारी रखने के लिए पर्याप्त हथियार मौजूद हैं, लेकिन यदि उसे चीन जैसे किसी बड़े प्रतिद्वंद्वी के साथ संघर्ष करना पड़ा, तो मौजूदा भंडार पर्याप्त नहीं होगा। इन हथियारों को फिर से तैयार करने में एक से चार साल तक का समय लग सकता है, जबकि पूरी क्षमता हासिल करने में और ज्यादा समय लग सकता है। रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि हथियारों की इस तेजी से खपत ने पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की रणनीतिक स्थिति को कमजोर किया है। यह स्थिति भविष्य में अमेरिका की सैन्य रणनीति के लिए चुनौती बन सकती है। हालांकि, पेंटागन ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि अमेरिकी सेना के पास अपने मिशनों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। ट्रंप प्रशासन ने भी हथियारों की कमी से इंकार किया है, हालांकि अतिरिक्त बजट की मांग की गई है। विश्लेषकों का मानना है कि घटते भंडार का असर केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे यूक्रेन और अन्य सहयोगी देशों को मिलने वाली सैन्य सहायता भी प्रभावित हो सकती है। अमेरिकी संसद में भी इस मुद्दे को लेकर चिंता जताई गई है।

इन तमाम घटनाक्रमों के बीच एक बड़ा सवाल उभरकर सामने आता है कि क्या ईरान की सैन्य ताकत के बने रहने और अमेरिकी हथियार भंडार में कमी से जुड़ी रिपोर्टों ने ही ट्रंप के फैसले को प्रभावित किया है। जब खुफिया आकलन यह संकेत दे रहे हैं कि ईरान अब भी एक मजबूत शक्ति है और दूसरी ओर अमेरिका को अपने मिसाइल भंडार को फिर से भरने में वर्षों लग सकते हैं, तो ऐसे में संघर्षविराम का ऐलान केवल कूटनीतिक कदम नहीं बल्कि एक रणनीतिक जरूरत भी हो सकता है। यह भी संभव है कि अमेरिका फिलहाल टकराव को टालकर अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत करना चाहता हो। ऐसे में यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या यह युद्धविराम वास्तव में शांति की दिशा में कदम है या फिर एक बड़े और लंबे संघर्ष से पहले की रणनीतिक विराम स्थिति है।

बहरहाल, मौजूदा स्थिति कई स्तरों पर अस्थिर बनी हुई है। एक ओर संघर्षविराम ने अस्थायी राहत दी है, लेकिन दूसरी ओर सैन्य तनाव, खुफिया आकलनों में अंतर और हथियारों की कमी से जुड़ी चिंताएं भविष्य में बड़े संकट की ओर इशारा कर रही हैं। आने वाले समय में यह देखना अहम होगा कि क्या कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं या यह संकट एक बड़े युद्ध में बदल जाता है।

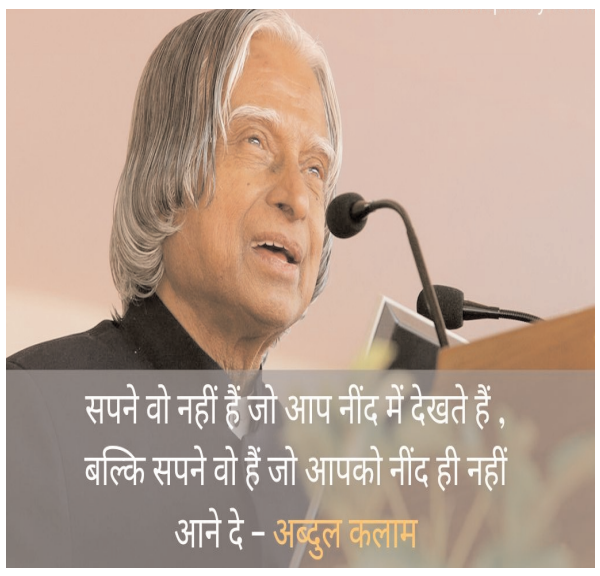

मुंगेर किला इतिहास काल-प्रवाह का दर्शन है

बी.के जैन
वरिष्ठ
फोटोजर्निलिस्ट

इतिहास काल-प्रवाह का दर्शन है. भारत का यह देश भारतवर्ष अपनी ऐतिहासिक-सांस्कृतिक संपदा की प्रचुरता के लिए विख्यात है. वेद-पुराण और महाभारत के प्रागैतिहासिक काल से भगवान महावीर, महात्मा बुद्ध और गांधी तक का ऐतिहासिक वैभव गौरवशाली रहा है. इस संपूर्ण ऐतिहासिक-सांस्कृतिकवांड्मय में मुंगेर क्षेत्र का अपना विशिष्ट स्थान है. आइये, इतिहास के रोमांच भरे पथ पर पीछे चलें.....

मुंगेर का तट पखारने वाली उत्तरवाहिनी सुरसरिता गंगा को इस तरह बहते लगभग एक करोड वर्ष हो रहे हैं, किंतु जिस शिलातुंग पर मुंगेर बसा हुआ है उसकी आयु गंगा से भी करोड वर्ष अधिक है. विध्य-पर्वत की यह उत्तर मुखीशाखा खड़गपुर पर्वत-श्रंखला के रूप में इस क्षेत्र के बड़े भाग में फैली हुई है और उसका अंतिम सिरा पीर-पहाड़ी है, जहाँ से यह विशाल शिला-श्रृंखला मां गंगा के गर्वमें विलीन हो जाती है. इस पर्वत-श्रंखला की पथरीली तराई में ऊँची चट्टानों पर यह नगर, बसा है, जिसके सबसे ऊँचे भाग में टूटे-फूटे मुंगेर किले के ये प्राचीर न जाने इतिहास की कैसी कहानियाँ कहना चाहते हैं, परचुप हैं.

महाभारत के सभा पर्व में भीम ने अंगराज कर्ण को पराजित कर मोदगिरी में एक युद्ध जीता था, जो कालांतर में मुंगेर के नाम से जाना गया. कहते हैं, महात्मा बुद्ध के शिष्य मौद्गल्य यहाँ रहे और मुद्गल ऋषि का आश्रम भी यहीं रहा. मोदगिरी, मौद्गल्यगिरि, मुनिगिरि और मुंगेर-स्वयं यह नाम इतिहास की कुहेलिका में हमें खींच ले आता है.

मुंगेर और उसके निकटवर्ती क्षेत्रों में न जाने कितने शिला-खंड बिखरे-छिपे पड़े हैं. मुंगेर विकास के पथ पर दृढपग तभी अग्रसर हो सकता है जब इस क्षेत्र के निवासी अपने ऐ तिहासिक-सांस्कृतिक गौरव की रक्षा करें और उसे बढ़कर उजागर करें.

महाभारत से तथागत तक

महाभारत काल से आजतक का समय इतिहास की एक लंबी यात्रा है. भीम, कर्ण, जरासंध, कृष्ण, राम और सीता से लेकर बुद्ध और बिंबिसार तक, फिर चंद्रगुप्त मौर्य, एवं पालवंशी राजाओं से लेकर शेरशाह, मीर कासिम, और अंग्रेजी शासन में क्लाइव और हेस्टिंग्स से लेकर पूर्ण स्वाधीनता तक - सब मुंगेर के इतिहास से जुड़े हुए हैं.

कष्ट हरणी घाट में, जहाँ भगवान राम और सीता ने विश्राम किया था, एक शिला लेख (488ई०) मिला था, जिस पर यह अंकित है कि चंद्रगुप्त ने यहाँ गुप्तगढ़ नगर बसाया था. किंतु इससे भी सहस्त्र वर्ष पहले विविसार ने यहाँ, बुद्ध के जीवन काल में, अंग प्रदेश के अंतिम राजा ब्रहमदतको युद्ध में मारकर उस क्षेत्र में मगध साम्राज्य का विस्तार किया था, बौद्ध ग्रंथों के अनुसार महात्मा बुद्ध ने यहाँ (उरेन के पास) एक पहाड़ी पर वर्षीश्वर के तीन माह व्यतीत किये थे एवं नरभक्षी वकुल यक्ष यक्ष को दीक्षित किया था. उरन की पहाड़ियों में आज भी वे प्रस्तर-आकृतियां देखी जा सकती है. यक्ष के चरण, पत्थर पर बुद्ध की कुंडिका (जलापत्र) रखने के चिह्न, बुद्ध के पदचिह्न एवं उनकी सात फीट ऊंची प्रतिमा, -सब आज भी तथागत की याद दिलाते हैं.

परिव्राजक हुएनत्सांग

लगभग बारह सदियों बाद, ईसा की सातवीं शताब्दी में प्रख्यात चीनी पर्यटक हुएन त्सांगजब भ्रमण करता दक्षिण-पश्चिमी दिशा में मुंगेर क्षेत्र पहुंचा तो गंगा से दक्षिण ही उसे एक गांव (आज के शेखपुरा क्षेत्र) में अत्यंत प्राचीन मंदिर मिले और उसने उस स्तूप के दर्शन भी किये जहाँ एक रात भगवान बुद्ध ने प्रवचन किया था. यहाँ से लगभग 30 किमी पूर्व चलकर यह ऐतिहासिक परिव्राजक 'लोइनीलो' (आज का रजौना) गांव में पहुँचा, वहाँ उस बौद्ध विहार के दर्शन किये, जहाँ तथागत ने तीन महिनों का त्रिपिटक की व्याख्या की थी, और जहाँ अशोक ने उसकी स्मृति में एक स्तूप निर्मित कराया था. इस बौद्ध युग के न जाने कितने प्रस्तर-खंड शेखपुरा, लखी सराय कि उल, रजौना, रामपुर, हसनपुर, उरेन, सिंधोल, सिमरिया आदि में आज भी बिखरे पड़े हैं. हुएन त्सांग जंगलों, तराइयों और पर्वतों को लांघता हिरण्य पर्वत (मुंगेर की पहाड़ियों) के पास पहुँचा. उसने अपने यात्रा वृतांत में अंकित कियाः यह हिरण्यपर्वत- यहाँ की भूमि अत्यंत उर्वरा है. फल-फूल से लदी. जलवायु अत्यंत सुखकर, लोग सीधे-साधे और ईमानदार है. यहाँ दश बौद्ध विहार हैं जिनमें 4000 भिक्षु रहते हैं!

हुरनत्सांग मुंगेर में इतिहास का प्रथम पर्यटक था जिसे यहाँ की प्राकृतिक सुषमा, सुखद जलवायु एवं सांस्कृतिक संपदा ने अभिभूत किया था. आज भी वह संपदा मुंगेर के चारों ओर टूटी-बिखरी पड़ी हैं, जिसे संजो-संवार कर हम आधुनिक पर्यटकों के लिए सगर्व प्रस्तुत कर सकते हैं.

पाल वंश एवं मुगलकाल

बौद्ध धर्मावलम्बी पालवंशी राजाओं के सदियों के शासन के बाद पहलीबार बारहवीं शताब्दी में मुस्लिम शासक बख्तियार खिल्जी का इस क्षेत्र पर अधिपत्य हुआ, जब उसने लखीसराय के पास जयनगर में अंतिम पालवंशी राजा इन्द्रद्युम्न को पराजित किया. फिर 1330 ईस्वी में यह क्षेत्र मुहम्मद तुगलक के दिल्ली सल्तनत में मिला लिया गया. लगभग डेढ़ सदीबाद सिकंदर लोदी ने 1489 ई० में इस क्षेत्र पर आक्रमण किया, जब बंगाल के सुल्तान हुसैन शाह ने अपने बेटे दानियाल को उससे मुकाबले के लिए भेजा. दानियाल ने ही मुंगेर के किले की मरम्मत कराई थी और 1497 में किले के दक्षिणी फाटक के पास अंदर ऊँचे टीले पर फारस से धर्म प्रचारार्थ आए पीरशाह नाफा की मजार पर एक मकबरा बनवाया, मकबरे के दरवाजे पर आज भी वह उल्लेख अंकित है. पीर शाह नाफा वहीं 1177 में दफनाए गए थे, इसी मकबरे के पास मीर कासिम के बेटी-बेटे गुल और बहार की कब्रें भी हैं. कहते हैं मीर कासिम की हार के बाद गुल और बहार बहुत दिनों तक दरिया किनारे सुरंग में छिपे रहे और एक रात बहार को एक अंग्रेज अफसर ने देख लिया और तुरंत गोली मार दी, सुबह पास ही गुल भी मरी पड़ी मिली अतःदोनों की कब्र अलग-बगल में ही दफनायी गई है. ऐसी न जाने कितनी ही कहानियाँ मुंगेर के इतिहास से जुड़ी हुई हैं.

हुमायूँ से दिल्ली की सल्तनत छीनने के बाद शेरशाह ने बिहार और बंगाल की ओर कूच किया था और बंगाल सल्तन के सिपहसालार इब्राहिम खाँ को सूरजगढ़ा में हराया और मार डाला था. बाद में मुंगेर की रणभूमि में शेरशाह और हुमायूँ के बीच कई लड़ाइयाँ हुई, जब अकबर ने सल्तनत संभाली तब उसको बिहार का बलवा दबाने आना पड़ा और उसकी फौज ने सूरजगढ़ा, मुंगेर, भागलपुर, कहलगाँव तक पर कब्जा कर लिया. इसी समय गिद्धौर में एक राजा पूरनमल हुआ जिसने पहले अकबर से विद्रोह किया, फिर समर्पण कर दिया. पूरनमल ने ही 1596 में देवघर में बैद्यनाथ महादेव मंदिर निर्मित करवाया और लघुआड़ से प्रतिदिन घोड़े पर सवार होकर महादेव पूजन के लिए जाया करता था. कहते हैं, भगवान आशुतोष उसकी भक्ति पर प्रसन्न होकर स्वप्न में प्रकट हुए और बोलेः तुम्हें नित दिन मेरी पूजा के लिए इतनी दूर आना पड़ता है. तुम अपने ही

कुम्हार के चाक के नीचे खोदकर शिवलिंग प्राप्त करो और वहीं मेरी पूजा के लिए मंदिर का निर्माण करो. आज भी वह मंदिर धनेश्वर नाथ अथवा सिमरिया महादेव के नाम से वर्तमान और प्रसिद्ध है

मुगल काल में शाहजहाँ के बेटों की लड़ाइयों में भी मुंगेर रणस्थती विद्रोही बेरै शुजा का पीछा करती हुई शाहजहाँ की फौजों ने किले पर धावा किया, और किले की टूटी-फूटी दीवारें आज भी उस लड़ाई की गवाही देती है. उच पर्यटक डिग्राफ, मार्शल, विशय हेबर, जोसेफ हुकर आदि विदेशियों ने तब के मुंगेर और उसके किले का विषद विवरण दिया हैः मुंगेर शहर ऊँचाई पर बसा हुआ है जिसके आठ दस गज नीचे दरिया का पानी बहता है. दरिया के किनारे-किनार पांच गज ऊंची किले की दीवार है जिसमें थोड़ी-थोड़ी दूर पर बुर्ज बने हुए हैं और उसमें तोपों के रखने की जगह बनी हुई हैं (मार्शल) किले के फाटक, बुर्ज इत्यादि मास्को के खितेरा गोरोद किले की याद दिलाते हैं (हेवर).

मीर कासिम का मुंगेर :

गुला में हुसेन खां लिखित 'शायर जल मुताखरीन' में मीर कासिम के दरबार का विस्तृत चित्र उपलब्ध हैः सप्ताह में दो दिन मीर कासिम आम दरबार में बैठकर इंसाफ किया करता था. और जोर-जुल्म करनेवाले जमींदारों को सजा दिया करता था. जब अंग्रेज गवर्नर वंशीटार्ट उससे समझौता करने आया था तो मीर कासिम ने उसका जोरदार स्वागत किया था और अपने सिपहसालार गुरगीन खां के महल में (जो आज भी पीर पहाड़ी पर खण्डहर के रूपमें वर्तमान है) असे ठहराया था. अपने साथ बैठने को मसनद दी और नाच-गाने के साथ दावत देकर उसकी इज्जत आफजाई की थी. सन- 1763ई०. में मीर कासिम से अंग्रेजों की लड़ाई हुई जिसमें उसे पराजय का मुँह देखना पड़ा और उसने बदले में अपने अंग्रेज बंदियों को पटने में कत्ले-आम कराया था. जिसकी कब्रगाह आज भी पटने का का एक ऐतिहासिक आकर्षण केंद्र है, अंग्रेजों की लड़ाई को विफल बनाने के लिए ही मीर कासिम ने डकरा नाले पुस को तोप से उड़वा दिया था जिसके भग्नावशेष आज भी उस घटना के साक्षी हैं उनीसवीं शताब्दी में मुंगेर पर अंग्रेजों का पूर्ण अधिपत्य हो गया, किंतु इतिहास के रंगमंच पर मुंगेर का महत्व धीरे धीरे घटने लगा. टूरा हुआ किला और ढहता गया. मुंगेर का महत्व अंग्रेजों के लिए इसकी स्वास्थ्यप्रद जलवायु के कारण.

बना रहा जहाँ आहत सिपाहियों को स्वास्थ्य लाभ के लिए रखा जाता था. उनीसवीं सदी से बीसवीं सदी पूर्वार्द्ध तक मुंगेर ने स्वाधीनता संग्राम में स्पृहणीह भूमिका निभाई है, किंतु आज जब मुंगेर का ऐतिहासिक गौरव धूमिल पड़ रहा है तब हमें उसकी सुरक्षा के लिए जागृत होना चाहिए.

महाभारत काल में कुछ चंद्रगुप्त मौर्य, प्रसवंशी राजाओं, शेरशाह और मुगल बादशाहों तथा मीर कासिम तक के लगभग साढ़े तीन हजार वर्षों की कहानी मुंगेर और उसके आस-पास आस-पासू दूरी बिसटी पड़ी हैं; कष्टहरणी, कर्णचौरा, शाह नाफा, पीर पहाड़ी, चंडी स्थान, प्रऋषि कुंड, श्रृंगी श्रऋषि, अशोक धाम, भीम बांध, खागपुर गोल, उच्चेश्वरनाथ में इस इतिहास कथा के शिलालेख आज भी मौजूद हैं और मुंगेर के ऐतिहासिक गौरव की अलौकिक कथा का बखान कर रहे है.

भूकंप की त्राशदी :

15 जनवरी, 1934 माघ की सोमवारी और मुसलमानों का महापर्व ईद के 29वें रोजे का वो काला दिन जिसे यादकर आज भी दिल दहल जाता है. लगातार तीन मिनट तक भूकंप का वह भयंकर झटका, जिसने पूरी धरती को टेबुल से गिरी छन्नी की तरह नचा दिया. एक बार तो सबकुछ थम सागया, लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर शरण लेने लगे. देखते ही देखते सारा शहर मलवे के ढेर में तब्दील हो गया. लोग जिंदा ही धरती के गर्भ में समा गए, परिवार के जो किस्मत वाले थोड़े बच गए वो चाहकर भी संसाधनों की कमी के कारण असहाय नजर आए. ऐसे में किसी तरह जिनको निकाला भी गया उन्हें उपचार उपचार हेतु हेतु जब जब ले जाया गया तब तक खबर मिली कि अस्पताल भी अपनी दवाइयों के साथ स्वस्त हो चुका है. साम होते-होते सारा शहर विरान और शमशान नजर आने लगा,वो लालटेन का जमाना,माघ की ठंड और भूकंप की त्राशदी हो ध्वस्त चीख-चित्कार लोगों को अपनी सहायता हेतु बुला रही रही थी पर पर लोग लोग चाहकर भी असहाय असहायु थे. पूरी रात दहसत में बीती क्योंकि रह-रहकर रातभर भूकम्प के झटके आते रहे. लोग पीपरयांती से लेकर गोयनका धर्मशाला होते हुए मुंगेर स्टेशन में लगाए गए राहत शिविरों में जाकर शरण लेने लगे. तत्कालीन बिहार और उड़िसा के महामहिम राज्यपाल श्री जेम्स सिल्टन ने जनता एवं समस्त दुनिया वालों के काम मानवीय सहायता के लिए गोवरमेंट हाउस, पटना से दिनांक 18 जनवरी, 1934 को एक अपील करते हुए कहा था कि इस विभिषिका को वर्ष 1923 में जापान की विभिषिका के बाद विश्व का दूसरा अबतक का भयंकर प्रकृति प्रकोप है।

पृथ्वी दिवस पर विशेषः पृथ्वी दिवस के उद्देश्यों पर युद्ध का पर्यावरणीय प्रभाव

पृथ्वी दिवस हर वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है। यह दिन पर्यावरण संरक्षण की जागरूकता फैलाने, पृथ्वी की रक्षा करने एवं सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। सन- 1970 में अमेरिका में शुरू हुए पहले पृथ्वी दिवस ने 2 करोड़ से अधिक लोगों को एकजुट किया, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (एढअ) का गठन हुआ। आज यह दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोगों को पर्यावरणीय मुद्दों पर सक्रिय करता है। पृथ्वी दिवस के मुख्य उद्देश्य हैंः- प्रदूषण कम करना, जलवायु परिवर्तन से लड़ना, जैव विविधता की रक्षा करना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना, वनों की कटाई रोकना और सतत अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना। यह दिन हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारी मां है और हमें उसकी देखभाल करनी चाहिए। लेकिन आधुनिक युद्ध इन उद्देश्यों को गंभीर रूप से चुनौती देते हैं। युद्ध न केवल मानव जीवन को नष्ट करते हैं, बल्कि पर्यावरण को भी स्थायी क्षति पहुंचाते हैं, जिससे पृथ्वी दिवस के लक्ष्यों की प्राप्ति कठिन हो जाती है। पृथ्वी दिवस का मूल उद्देश्य पर्यावरण को प्रदूषण से मुक्त करना और जलवायु संकट से निपटना है। यह दिन जल, वायु, मिट्टी एवं वन्य जीवों की सुरक्षा पर जोर देता है। लेकिन युद्ध इन सभी को सीधे प्रभावित करते हैं। वैश्विक सैन्य गतिविधियां दुनिया के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 5.5 प्रतिशत हिस्सा हैं, जो कई देशों के कुल उत्सर्जन से अधिक है। यदि सैन्य बलों को एक देश मान लिया जाए, तो वे रूस से भी ज्यादा कार्बन उत्सर्जित करते हैं। युद्ध के दौरान ईंधन की भारी खपत, टैंकों, जेट विमानों एवं जहाजों का उपयोग इस उत्सर्जन को और बढ़ा देता है। उदाहरण के लिए यूक्रेन में रूस आक्रमण के पहले तीन वर्षों में लगभग 230 मिलियन टन उड2 समकक्ष उत्सर्जन हुआ, जो ऑस्ट्रिया, हंगरी, चेक गणराज्य और स्लोवाकिया के वार्षिक उत्सर्जन के बराबर है। यह जलवायु परिवर्तन को तेज करता है, जबकि पृथ्वी दिवस जलवायु कार्यवाही को बढ़ावा देता है। युद्ध पर्यावरण को कई स्तरों पर नुकसान पहुंचाते हैं। सबसे पहले प्रत्यक्ष विनाश : बमबारी, गोलीबारी एवं विस्फोट मिट्टी को खराब करते हैं, वनों को नष्ट करते हैं और जैव विविधता को समाप्त करते हैं। वियतनाम युद्ध में अमेरिकी सेना ने 73 लाख लीटर से अधिक एजेंट ऑरेंज छिड़काव किया, जिससे 50 प्रतिशत मैंग्रोव वन नष्ट हो गये। वर्तमान में भी वहां मिट्टी बंजर है, फसलें प्रभावित हैं और कैंसर जैसी बीमारियां बढ़ी हैं। इसी तरह इराक में खाड़ी युद्ध के दौरान तेल के कुओं को आग लगा दी गई, जिससे लाखों टन तेल जलकर वायु और मिट्टी को प्रदूषित कर दिया। युद्ध में विस्फोटक हथियारों से निकलने वाली भारी धातुएं, डिप्लेटेड यूरेनियम एवं टॉक्सिक रसायन मिट्टी और पानी को दशकों तक जहरीला बनाते रहते हैं। दूसरा प्रमुख प्रभाव प्रदूषण है। युद्ध के दौरान औद्योगिक सुविधाओं, तेल डिपो और पानी शोधन संयंत्रों पर हमले से रासायनिक रिसाव होता है। यूक्रेन युद्ध में ऊर्जा संयंत्रों के नुकसान से परमाणु जोखिम बढ़ा और प्रदूषण फैला। गाजा एवं लेबनान जैसे संघर्षों में बमबारी से मलबा, रबर और प्लास्टिक का ढेर लग जाता है, जो हवा, मिट्टी एवं जल स्त्रोतों को दूषित करता है। सैन्य प्रशिक्षण और युद्ध क्षेत्रों में शोर प्रदूषण, रासायनिक प्रदूषण एवं तेल रिसाव वन्य जीवों को प्रभावित करते हैं। बड़े जानवरों की आबादी 90 प्रतिशत तक कम हो सकती है। अफगानिस्तान में हाल के दशकों में 95 प्रतिशत वन कवर नष्ट हो चुका है, जबकि मोजाम्बिक गृहयुद्ध में वन्य जीवों की आबादी बुरी तरह प्रभावित हुई। युद्ध पारिस्थितिकी तंत्र को असंतुलित कर देते हैं, जिससे आक्रामक प्रजातियां बढ़ती हैं और स्थानीय प्रजातियां विलुप्त हो जाती हैं।

तीसरा संसाधनों की लूट और अपर्याप्त प्रबंधन। युद्ध क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन होता है। सैन्य अभियानों के लिए ईंधन, खनिज एवं पानी की भारी मांग बढ़ती है। युद्ध से कृषि भूमि नष्ट होती है, जिससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित होती है। जलवायु परिवर्तन पहले से ही सूखा और बाढ़ बढ़ा रहा है, लेकिन युद्ध इन समस्याओं को और गंभीर बना देते हैं। संघर्ष से पर्यावरणीय शासन व्यवस्था गड़बड़ा जाती है, संरक्षण प्रयास रुक जाते हैं और सतत विकास लक्ष्य पीछे छूट जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार युद्ध पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित करते हैं, संसाधनों को समाप्त करते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं। पृथ्वी दिवस इन प्रभावों के खिलाफ जागरूकता फैलाता है। इसका उद्देश्य है कि हम पर्यावरण को युद्ध जैसी मानव-निर्मित आपदाओं से बचाएं। 2026 का थीम "ड४१ ढङ्घद्धी१, ड४१ ढ"ल्ली३" समुदायों की शक्ति पर जोर देता है कि पर्यावरणीय प्रगति किसी एक सरकार पर निर्भर नहीं है, बल्कि स्थानीय कार्यवाही से होती है, लेकिन युद्ध इस शक्ति को कमजोर करते हैं। सैन्य उत्सर्जन जलवायु लक्ष्यों को पीछे धकेलते हैं। पेरिस समझौते जैसे प्रयासों में सैन्य उत्सर्जन को अक्सर रिपोर्ट नहीं किया जाता, जो एक बड़ी कमी है। युद्ध से उत्पन्न प्रवासन भी पर्यावरण पर बोझ बढ़ाता है, क्योंकि शरणार्थी शिविरों में संसाधनों का अत्यधिक उपयोग होता है। युद्ध के पर्यावरणीय प्रभाव लंबे समय तक रहते हैं। बिना फटे बम मिट्टी को दूषित रखते हैं। पुनर्निर्माण में भी अधिक उत्सर्जन होता है वियतनाम, इराक, अफगानिस्तान और यूक्रेन के उदाहरण बताते हैं कि युद्ध के बाद पर्यावरण बहाली दशकों लग जाती है। कुछ मामलों में जैसे इराक के दलदलों में नुकसान अपरिवर्तनीय हो जाता है। युद्ध न केवल प्रत्यक्ष विनाश करता है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से जलवायु अनुकूलन को बाधित करता है। जलवायु परिवर्तन स्वयं संघर्षों को बढ़ावा दे सकता है, लेकिन युद्ध इस चक्र को और तेज करते हैं। पृथ्वी दिवस हमें सिखाता है कि शांति पर्यावरण संरक्षण का आधार है। जॉन मैक कॉनेल जैसे शांति कार्यकर्ताओं ने पृथ्वी दिवस को शांति और प्रकृति की समानता से जोड़ा था। आज हमें युद्ध को पर्यावरणीय अपराध मानना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानून में पर्यावरण को युद्ध में सुरक्षा देने की जरूरत है। सैन्य उत्सर्जन को वठऋछउउ रिपोर्टिंग में शामिल करना चाहिए। पृथ्वी दिवस पर हम वृक्षारोपण, सफाई अभियान और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते हैं, लेकिन युद्ध इन प्रयासों को नष्ट कर देते हैं। समाधान की दिशा में हमें शांति स्थापना को पर्यावरणीय एजेंडे से जोड़ना चाहिए। सैन्य खर्च को कम करके हरित प्रौद्योगिकियों में निवेश करें। युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में बहाली कार्यक्रम चलाएं, जैसे वन रोपण और मिट्टी शुद्धिकरण। समुदाय स्तर पर पृथ्वी दिवस को युद्ध विरोधी संदेश से जोड़ें। शिक्षा में पर्यावरण और शांति दोनों को शामिल करें। वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठन युद्ध के पर्यावरणीय प्रभावों की निगरानी करें और जिम्मेदार देशों पर दबाव बनाएं। निष्कर्ष में पृथ्वी दिवस का उद्देश्य पृथ्वी को स्वस्थ, हरा-भरा और सतत बनाना है, लेकिन युद्ध इस सपने को चूर-चूर कर देते हैं। युद्ध से होने वाला प्रदूषण, उत्सर्जन, जैव विविधता हानि और संसाधन क्षय पृथ्वी के भविष्य को खतरे में डालते हैं। हमें समझना होगा कि मानव संघर्ष और पर्यावरण विनाश एक-दूसरे से जुड़े हैं। शांति के बिना सच्चा पर्यावरण संरक्षण संभव नहीं। आइए पृथ्वी दिवस को सिर्फ एक दिन न मानें, बल्कि हर दिन युद्ध मुक्त, प्रदूषण मुक्त पृथ्वी के लिए प्रयास करें। हमारी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ ग्रह छोड़ें। युद्ध बंद हों, पर्यावरण बचे- यही पृथ्वी दिवस का सच्चा संदेश हैं।

मांगेराम चौहान
(पर्यावरण एवं जलवायु प्रेमी)
डिप्टी कमिश्नर मुरादाबाद व बरेली मंडल

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ''**गिलेडविन मसीह**'' के लिए ''**बुलंद मंज़िल**'' हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।
PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
जनपद अमरोहा
संभल
शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

कोर्ट परिसर बना सुरक्षा का मैदान—मॉक ड्रिल में दिखी पुलिस की दमदार तैयारी

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और आमजन को आपात स्थितियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुवार को न्यायालय परिसर में अमरोहा पुलिस द्वारा एक व्यापक नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में आयोजित इस अभ्यास ने सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता और समन्वय का प्रभावी प्रदर्शन किया। मॉक ड्रिल के दौरान संदिग्ध वस्तु मिलने की सूचना पर तत्काल पूरे क्षेत्र की घेराबंदी की गई। इसके बाद स्वाट टीम, डॉग स्क्वायड और एएस चेक टीम ने संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चलाया। डॉग स्क्वायड द्वारा जांच के बाद बम निष्क्रियकरण की प्रक्रिया का डेमो प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित लोगों को रोमांचित कर दिया। इसी क्रम में अग्निशमन दल ने आग लगने की स्थिति में त्वरित कार्रवाई का जीवंत प्रदर्शन कर आपदा प्रबंधन की अहम झलक दिखाई। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने कर्मचारियों और आम नागरिकों को आपातकालीन हालात में सतर्क रहने, संयम बनाए रखने और आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाने की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही यह भी अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें और अफवाहों से दूर रहकर प्रशासन का सहयोग करें। पूरी मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक संपन्न हुई और इसमें शामिल सभी सुरक्षा इकाइयों के बीच बेहतर तालमेल, त्वरित प्रतिक्रिया और उच्च स्तर की तैयारी स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

खेत में पानी देने गए किसान पर हमला, पेड़ तोड़े—तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। हसनपुर कोतवाली क्षेत्र में जमीन विवाद ने एक बार फिर हिंसक रूप ले लिया। ग्राम सिरसा गुर्जर निवासी किसान बलवंत ने अपने ही भतीजों समेत तीन लोगों पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बलवंत पुत्र भुलवा का अपने भाई सुखदेव के साथ मिलकर पारिवारिक जमीन को लेकर भतीजे जोगिन्द्र और कुलदीप पुत्र मलखान से लंबे समय से विवाद चल रहा है। आरोप है कि 21 अप्रैल को बलवंत अपने खेत में पानी लगाने गया था, तभी जोगिन्द्र और कुलदीप ट्रैक्टर लेकर वहां पहुंचे और खेत में खड़े पेड़ों को नुकसान पहुंचाने लगे।

जब बलवंत ने इसका विरोध किया, तो दोनों आरोपियों ने अपने साथी राजकुमार पुत्र विजय निवासी ग्राम वसी के साथ मिलकर गाली-गलौच शुरू कर दी और फिर मारपीट पर उतारू हो गए। इस दौरान बलवंत को चोटें आईं, जिन्हें उसके भाई सुखदेव ने किसी तरह बचाया। जाते-जाते आरोपी जान से मारने की धमकी भी देते हुए फरार हो गए।

घटना के बाद बलवंत ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हसनपुर में अपना मेडिकल कराया। ग्रामीण स्तर पर मामले को सुलझाने की कोशिशें भी हुईं, लेकिन आरोपियों के न मानने पर पीड़ित ने थाने पहुंचकर तहरीर दी।

थाना हसनपुर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हाईवे पर रफ्तार का कहर: नशे में बाइक सवारों ने युवक को मारी टक्कर, हालत गंभीर

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला। सड़क हादसों पर लगाम लगाने के तमाम दावों के बीच एक और दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां तेज रफ्तार और कथित नशे में धुत बाइक सवारों की लापरवाही ने एक परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। बुधवार शाम करीब 6:10 बजे नेशनल हाईवे से काकाठेर मार्ग पर तिगरी गांव से लगभग 700 मीटर पहले हुए हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव दूल्हेपुर अहीर निवासी अशोक कुमार अपनी ताई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बाइक से घर लौट रहा था। जैसे ही वह तिगरी के पास पहुंचा, सामने से आ रही काले रंग की स्प्लेंडर बाइक पर सवार दो-तीन युवकों ने तेज गति और लापरवाही से उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आरोपी नशे की हालत में थे और टक्कर इतनी भीषण थी कि अशोक कुमार मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा।

घटना के बाद मौके पर पहुंचे कुछ अज्ञात लोगों ने घायल के परिजनों को फोन पर सूचना दी। परिजन तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। हादसे के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए, हालांकि उनकी मोटरसाइकिल घटनास्थल से बरामद हो गई।

पीड़ित के पिता चन्द्रपाल सिंह की तहरीर के आधार पर गजरौला पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि बाइक के नंबर के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

तपती धरती पर लू अलर्ट—जिला प्रशासन ने जारी की जीवन बचाने वाली एडवाइजरी

जिलाधिकारी डॉक्टर नितिन गौड़

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। भीषण गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने आमजन के लिए हीट वेव से बचाव संबंधी विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। प्रशासन ने साफ किया है कि तापमान में लगातार बढ़ोतरी और गर्म हवाओं के चलते लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है, ऐसे में सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है।

एडवाइजरी के अनुसार, गर्मी के मौसम में शरीर में पानी और नमक की कमी होने पर लू लगने की संभावना काफी बढ़ जाती है। खासतौर पर बुजुर्ग, हृदय रोगी, मधुमेह से पीड़ित, मोटापे से ग्रस्त लोग और पुरानी बीमारियों से जूझ रहे मरीज अधिक जोखिम में रहते हैं। कुछ दवाइयों का सेवन करने वाले लोगों में भी लू का असर जल्दी देखने को मिलता है। लू के प्रमुख लक्षणों में शरीर का अत्यधिक गर्म और सूखा होना, पसीना न आना, तेज नाड़ी चलना, सांस लेने में तेजी, चक्कर आना, सिरदर्द, उल्टी, थकान और मानसिक भ्रम जैसी स्थितियां शामिल हैं। गंभीर मामलों में यह स्थिति शरीर के आंतरिक अंगों, विशेषकर मस्तिष्क को नुकसान पहुंचा सकती है और हृदय की कार्यप्रणाली पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे दिन के समय विशेष सतर्कता बरतें। बिना प्यास लगे भी पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें और शरीर को हाइड्रेट रखें। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें तथा धूप में निकलते समय सिर और चेहरे को ढकने के लिए टोपी, गमछा या छाता का प्रयोग करें। यात्रा के दौरान पानी साथ रखें और समय-समय पर आराम करें।

एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि लस्सी, छाछ, नींबू पानी, आम पन्ना और ओआरएस जैसे पेय पदार्थों का सेवन शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट की कमी को पूरा करने में मददगार है। वहीं, शराब, चाय और कॉफी जैसे पेय पदार्थों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है, क्योंकि ये शरीर को डिहाइड्रेट कर सकते हैं।

प्रशासन ने लोगों को दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की हिदायत दी है। साथ ही बच्चों और पालतू जानवरों को बंद वाहनों में छोड़ने से सख्ती से मना किया गया है। भारी और तंग कपड़े पहनने तथा अत्यधिक श्रम वाले कार्य करने से भी बचने की सलाह दी गई है।

यदि किसी व्यक्ति में लू के लक्षण दिखाई दें तो उसे तुरंत छांव में लिटाकर ठंडे पानी से शरीर को पोंछें और बिना देरी के चिकित्सकीय सहायता लें। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समय पर सतर्कता और सही कदम उठाकर ही इस भीषण गर्मी के खतरे से सुरक्षित रहा जा सकता है।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा पर सख्त नजर: डीएम-एसपी ने कसे इंतजाम, नकल पर जीरो टॉलरेंस

डीएम नितिन गौड़ व एसपी लखन सिंह यादव होमगार्ड भर्ती परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए, व्यवस्थाओं का जायजा लेते नजर आए।

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जनपद में आगामी 25, 26 और 27 अप्रैल को होने वाली पुलिस होमगार्ड्स भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलविहीन बनाने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने संयुक्त रूप से विभिन्न परीक्षा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान कुन्दन मॉडल इंटर कॉलेज, ए.के.के. इंटर कॉलेज, जे.एस. हिंदू इंटर कॉलेज, भगवत सरन इंटर कॉलेज जोया और सिख इंटर कॉलेज नारंगपुर समेत कई केंद्रों पर सुरक्षा और सुविधा व्यवस्थाओं की गहन जांच की गई। डीएम और एसपी ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम और स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कर निगरानी तंत्र को लगातार सक्रिय रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता को तुरंत रोका जा सके। जिलाधिकारी नितिन गौड़ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों के लिए पेयजल, स्वच्छता, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित की जाए। बिजली कटौती की स्थिति में जनरेटर की व्यवस्था अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहे। इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने और सुव्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए क्लॉक रूम की व्यवस्था करने पर भी विशेष जोर दिया गया है, ताकि परीक्षार्थी अपने मोबाइल, बैग और अन्य सामान सुरक्षित रख सकें। वहीं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने बताया कि परीक्षा के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष प्लान तैयार किया गया है। पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं, जिससे अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जनपद में यह परीक्षा कुल 10 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी, जहां प्रतिदिन दो पालियों में परीक्षा संपन्न होगी। प्रत्येक पाली में 4704 अभ्यर्थी शामिल होंगे, इस प्रकार तीन दिनों में कुल 28,224 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भर्ती बोर्ड द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि परीक्षा की शुचिता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और यदि कोई भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रशासन की इस सख्ती से साफ है कि इस बार परीक्षा में पारदर्शिता और व्यवस्था को लेकर कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

खेत पर महिला से बदसलूकी, विरोध करने पर बेटों को पीटकर किया लहूलुहान

मारपीट में घायल युवक सीएचसी में इलाज के दौरान

दैनिक बुलंद मंज़िल

आदमपुर। थाना क्षेत्र के एक गांव में रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक विधवा महिला के साथ उसके ही सगे जेठ के लड़के द्वारा बदसलूकी की गई और जब बेटों ने इसका विरोध किया, तो उन्हें बेरहमी से पीटकर घायल कर दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार को थाना क्षेत्र के गाँव निवासी महिला अपने खेत पर काम करने गई थी। आरोप है कि वहाँ उसके जेठ के लड़के ने उसके साथ अभद्रता और बदसलूकी की। पीड़िता ने घर पहुँचकर आपबीती अपने परिजनों को सुनाई। जब महिला के बेटे इस घटना की शिकायत लेकर आरोपियों के पास पहुँचे, तो आरोपियों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। जिसमें दोनों भाई घायल हो गए। पीड़ित महिला का आरोप है कि पति की मौत के बाद वह बेसहारा है और जब वह न्याय के लिए आदमपुर थाने पहुँची, तो पुलिस ने उसकी एक न सुनी। महिला ने पुलिस पर आरोपियों से मिलीभगत का गंभीर आरोप लगाया है। उसका कहना है कि तहरीर देने के बावजूद पुलिस ने घायलों का मेडिकल परीक्षण तक नहीं कराया। हार मानकर महिला ने खुद अपने बेटों को रहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। इस मामले में आदमपुर थानाध्यक्ष कोमल तोमर का कहना है कि दोनों पक्षों की ओर से तहरीर प्राप्त हुई है। परिवार की दो महिलाओं के बीच विवाद है। मामले की निष्पक्ष जाँच की जा रही है, जाँच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के आधार पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

एक घंटे में गायब हुई नाबालिग, इलाके में दहशत और सवाल

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला। थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले से एक नाबालिग किशोरी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया है। पीड़िता की मां ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री (जन्मतिथि 25 सितंबर 2008) एक स्थानीय होटल में उनके साथ काम करती थी।

बताया गया कि 18 मार्च की शाम करीब 5 बजे नाबालिग बेटी होटल से काम खत्म कर घर लौट आई थी। मां कुछ देर बाद जब काम निपटाकर घर पहुंचीं, तो नाबालिग वहां मौजूद नहीं थी। काफी तलाश के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं लग सका।

परिजनों के अनुसार, आशंका जताई जा रही है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। घटना के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर गजरौला पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ-साथ संदिग्ध लोगों से पूछताछ में जुटी है।

दिव्यांगजन के सपनों को सहारा: अनुदान के लिए संस्थाओं से मांगे गए प्रस्ताव

मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र

दैनिक बुलंद मंज़िल / सर्वेश यादव

अमरोहा। जनपद में दिव्यांगजन के समग्र विकास और पुनर्वासन को गति देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार ने स्वैच्छिक संस्थाओं से अनुदान हेतु आवेदन आमंत्रित किए हैं। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के तहत संचालित दिव्यांगजन के सवार्गीण पुनर्वासन हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता योजना के अंतर्गत पात्र संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत उन स्वैच्छिक संस्थाओं को अनुदान दिया जाएगा, जो दिव्यांगजन (मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से रुग्ण श्रेणी को छोड़कर) के पुनर्वासन के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य कर रही हैं। इनमें अर्ली इंटरवेंशन सेंटर, डे केयर सेंटर एवं प्री-प्राइमरी स्कूल, प्राइमरी और जूनियर हाईस्कूल स्तर तक के विद्यालय, हाईस्कूल स्तर तक के विशेष विद्यालय, कौशल विकास कार्यक्रम (न्यूनतम 2 एवं अधिकतम 4 ट्रेड) तथा पाठ्य सामग्री विकास एवं पुस्तकालय संचालन जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

सीडीओ ने स्पष्ट किया कि केवल वही संस्थाएं आवेदन करने की पात्र होंगी, जो दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के अंतर्गत विधिवत पंजीकृत हों और संबंधित क्षेत्र में कार्य करने का अनुभव रखती हों। इच्छुक संस्थाएं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट से दिशा-निर्देश, कार्यकारी आदेश एवं आवेदन पत्र का प्रारूप डाउनलोड कर सकती हैं।

उन्होंने बताया कि जनपद अमरोहा में कार्यरत इच्छुक स्वैच्छिक संस्थाएं वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अपने अनुदान प्रस्ताव दो प्रतियों में तैयार कर निर्धारित प्रारूप में दो सप्ताह के भीतर जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, अमरोहा के कार्यालय में जमा करें। प्रशासन ने अधिक से अधिक योग्य संस्थाओं से इस योजना का लाभ उठाने और दिव्यांगजनों के पुनर्वासन में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की है।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
अमरोहा
संभल
शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

गौशालाओं के लिए खुलकर सामने आए लोग, भूसा दान की मची होड़

दैनिक बुलंद मंज़िल / जितेन्द्र यादव

मंडी धनौरा। जनपद में गौशालाओं में संरक्षित गौवंश के लिए भूसा दान का अभियान अब एक सराहनीय जनआंदोलन का रूप लेता नजर आ रहा है। जिला प्रशासन की अपील पर समाज के विभिन्न वर्गों के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और गौसेवा के इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं।

इसी क्रम में मंडी धनौरा के प्रतिष्ठित व्यवसायी मनु अग्रवाल एवं उनकी धर्मपत्नी श्वेता अग्रवाल ने एक बार फिर उदारता का परिचय देते हुए 36 क्विंटल भूसा अस्थायी गौ आश्रय स्थल चुचैला कला में दान किया। यह कोई पहली बार नहीं है, बल्कि इससे पहले भी वे लगातार इस अभियान में सहयोग करते आ रहे हैं, जिससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिल रही है। कार्यक्रम के दौरान उप जिलाधिकारी धनौरा शैलेश कुमार दुबे, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभा दत्त, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपांक्षी तथा आजमपुर के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. भगेश सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने अग्रवाल दंपति के इस निरंतर सहयोग की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया और इसे समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बताया।

चुचैला कला गौशाला में भूसा दान करते मनु अग्रवाल दंपति, मौजूद रहे प्रशासनिक अधिकारी।

वहीं दूसरी ओर, ग्राम फूलपुर बीजलपुर के प्रधान द्वारा भी 50 क्विंटल भूसा दान कर इस अभियान को मजबूती प्रदान की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस पहल को लेकर उत्साह देखा जा रहा है, जिससे स्पष्ट है कि गौवंश संरक्षण के प्रति लोगों की संवेदनशीलता लगातार बढ़ रही है। जिला प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा है कि भीषण गर्मी के इस मौसम में गौशालाओं में संरक्षित पशुओं के लिए पर्याप्त चारे और पानी की व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। ऐसे में अधिक से अधिक लोग आगे आकर भूसा दान करें, ताकि किसी भी गौवंश को भूख या असुविधा का सामना न करना पड़े।

इसके साथ ही धनौरा के खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि गौशाला में शेड निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराया जाए। साथ ही गर्मी से बचाव के लिए छाया, पानी और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल सुनिश्चित की जाएं, जिससे गौवंश को राहत मिल सके।

जनपद में भूसा दान की यह पहल न केवल सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण बन रही है, बल्कि यह भी दर्शा रही है कि सामूहिक प्रयासों से किसी भी नेक कार्य को सफल बनाया जा सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में यह अभियान और कितनी व्यापकता हासिल करता है।

चलती ट्राली में भीषण आग, हाईवे पर अफरा-तफरी

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली। थाना क्षेत्र के बुढ़नपुर गांव के पास हाईवे पर बीती देर रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब चलती ट्रैक्टर-ट्राली में भरी गेहूं की कटी फसल (लाक)में अचानक आग लग गई। घटना रात करीब 2:30 बजे की है, जिससे कुछ समय के लिए हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और यातायात भी बाधित हो गया। जानकारी के अनुसार, पीलीभीत जनपद के थाना नूरिया क्षेत्र के गांव आराजी बोराख निवासी सतनाम सिंह पुत्र गजतार सिंह अपनी ट्रैक्टर-ट्राली में गेहूं का लाक भरकर पीलीभीत से गाजियाबाद स्थित एक निजी फैक्ट्री की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह डिडौली क्षेत्र के बुढ़नपुर गांव के पास पहुंचे, तभी अचानक ट्राली में भरे लाक से धुआं उठने लगा

और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। तेज हवा के कारण आग ने कुछ ही देर में पूरी ट्राली को अपनी चपेट में ले लिया। ऊंची-ऊंची लपटें उठने से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और हाईवे पर वाहनों की रफ्तार थम गई। चालक सतनाम सिंह ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत ट्रैक्टर को सड़क किनारे खड़ा कर दिया। सूचना मिलते ही डिडौली पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल विभाग को बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस की मदद से ट्राली से ट्रैक्टर को अलग कर लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान होने से बच गया।

हालांकि, ट्राली में भरी पूरा लाक जलकर राख हो गया। सतनाम सिंह ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रहरा में अवैध खनन का भंडाफोड़, पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा। थाना पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए दो ट्रैक्टरों को पकड़कर सीज कर दिया। यह कार्रवाई पुलिस द्वारा क्षेत्र में चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार को थाना रहरा की पुलिस टीम कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान ग्राम शकरगढ़ी से जयतोली जाने वाले मार्ग पर गैस एजेंसी के पास खेत में अवैध रूप से मिट्टी खनन किया जा रहा था। मौके पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक महिंद्रा ट्रैक्टर, जिसमें मिट्टी उठाने की मशीन लगी हुई थी, तथा एक अन्य महिंद्रा ट्रैक्टर ट्राली सहित पकड़ लिया।

पुलिस को देखते ही दोनों ट्रैक्टरों के चालक मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर थाना परिसर में खड़ा कर दिया और उनकी निगरानी के लिए सुरक्षा व्यवस्था भी की गई है।

थाना पुलिस द्वारा इस मामले की सूचना उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है तथा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस प्रकार की गतिविधियों पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि इससे अवैध खनन पर अंकुश लगेगा।

लोक अदालत की सफलता को लेकर प्रशासन सक्रिय, तहसीलदारों संग मंथन

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। आगामी 09 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्राधिकरण के सचिव अभिषेक कुमार व्यास ने की, जिसमें जनपद के सभी तहसीलदारों ने भाग लिया। बैठक में सचिव अभिषेक कुमार व्यास ने लोक अदालत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आम जनता को त्वरित, सस्ता और सुलभ न्याय उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी तहसीलदार अपने-अपने क्षेत्रों में लंबित राजस्व एवं अन्य मामलों की पहचान कर उन्हें अधिक से अधिक संख्या में लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित कराने की तैयारी सुनिश्चित करें। इस दौरान अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत ज्योति चौधरी ने भी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित मामलों की सूची तैयार कर अधिकाधिक वादकारियों को लोक अदालत में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जाए। साथ ही, आमजन को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया।

अमरोहा में राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए अधिकारियों के साथ बैठक करते सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण।

अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, जिससे अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण हो सके और लोगों को शीघ्र न्याय मिल सके। बैठक के अंत में सभी अधिकारियों से सक्रिय भूमिका निभाने की अपील करते हुए आगामी लोक अदालत को सफल बनाने का आान किया गया।

नींद की एक झपकी ने छीनी जिंदगी—दिल्ली लौट रहे किशोर की मौत

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा। थाना क्षेत्र के गांव भोगपुरा से सामने आई यह खबर न सिर्फ दिल दहला देने वाली है, बल्कि एक कड़वा सच भी सामने रखती है—सड़क पर जरा सी लापरवाही कभी-कभी जिंदगी और मौत के बीच की दूरी तय कर देती है। 17 वर्षीय रानू पुत्र सुबोध, जो अपने सपनों और जिम्मेदारियों के साथ जिंदगी की राह पर आगे बढ़ रहा था, एक पल की नींद ने उससे सब कुछ छीन लिया।

जानकारी के अनुसार, रानू अपनी बहन के साथ बुधवार को रहरा थाना क्षेत्र के गांव रेहरई में दावत में शामिल होने आया था। गुरुवार सुबह दोनों भाई-बहन बाइक से दिल्ली लौट रहे थे, जहां उनका परिवार मेहनत-मजदूरी कर जीवन यापन करता है। सुबह का वक्त था, सड़क अपेक्षाकृत खाली थी और सफर

मृतक का फाइल फोटो

सामान्य लग रहा था—लेकिन किसे पता था कि कुछ ही पलों में सब कुछ बदल जाएगा। रास्ते में चलते-चलते गजरौला के पास रानू को अचानक नींद का झोंका आ गया। बाइक का संतुलन बिगड़ा और देखते ही देखते वह सड़क किनारे खड़े बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत मदद करते हुए दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सीएचसी में डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया, लेकिन रानू की हालत बेहद नाजुक थी। कुछ ही देर में उसने दम तोड़ दिया, जबकि उसकी बहन जिंदगी की लड़ाई लड़ रही है। इस खबर के गांव पहुंचते ही मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, और हर आंख नम है। बताया गया कि परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है और दिल्ली में रहकर मजदूरी करता है। खबर लिखे जाने तक परिजन मृतक के शव का बिना किसी कानूनी कार्रवाई के ही अंतिम संस्कार की तैयारी में जुटे थे। यह हादसा एक सख्त चेतावनी है—सफर कितना भी जरूरी क्यों न हो, थकान और नींद को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। गांव में हर कोई यही कह रहा है, काश, रानू कुछ देर रुक जाताङ्घ शायद आज वह जिंदा होता।

सड़कों पर उतरी पुलिस—पैदल गश्त से दिया सुरक्षा का भरोसा, खंगाली गई हर गली

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के लिए पुलिस अब सिर्फ थानों तक सीमित नहीं, बल्कि सड़कों पर उतरकर हालात का जायजा ले रही है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजलि कटारिया ने थाना बछरायूं पुलिस बल के साथ कस्बा मंडी धनौरा में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। पैदल गश्त के दौरान पुलिस टीम ने मुख्य बाजार, भीड़भाड़ वाले इलाके और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी। हर गली और चौक-चौराहों पर पुलिस की मौजूदगी ने आम लोगों में सुरक्षा का एहसास कराया। वहीं, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए लोगों से संवाद भी स्थापित किया गया, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा

सके। इस दौरान क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया ने दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें भरोसा दिलाया कि पुलिस हर वक्त उनकी सुरक्षा के लिए तत्पर है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

गश्त के दौरान यातायात नियमों का पालन करने, अनावश्यक भीड़ न लगाने और शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस की इस सक्रियता को लेकर स्थानीय लोगों ने संतोष जताया और कहा कि इस तरह की गश्त से अपराधियों में डर और आम जनता में विश्वास बढ़ता है।

कुल मिलाकर, यह पैदल गश्त न केवल सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की पहल है, बल्कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास की कड़ी को भी और मजबूत करने का प्रयास है।

रवि वर्मा ने पाया यूपी बोर्ड में कक्षा 10 में बहजोई में प्रथम स्थान

दैनिक बुलंद मंज़िल

बहजोई । यूपी बोर्ड परीक्षा कक्षा 10 में बहजोई के चंद्रपाल आर्य आदर्श इंटर कॉलेज के छात्र रवि वर्मा ने बहजोई में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए जनपद में पंचम स्थान प्राप्त किया , उसने इस सफलता के लिये अपने माता पिता गुरुजनों के साथ जिला समन्वयक राजू सिंह यादव को श्रेय दिया है वह भविष्य में आई आई टी इंजीनियरिंग में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं । रवि वर्मा ने बताया वह समय समय पर विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में जिला समन्वयक से मार्गदर्शन प्राप्त करते रहते हैं ।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर चला डंडा—260 चालान, 4 वाहन सीज

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस का सख्त रुख गुरुवार को साफ दिखाई दिया, जब पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में जनपदभर में यातायात पुलिस ने विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए न सिर्फ चालान काटे गए, बल्कि लोगों को जागरूक करने का संदेश भी दिया गया।

अभियान के तहत ऐसे वाहन चालकों पर विशेष नजर रखी गई, जो अपनी गाड़ियों में पटाखों जैसी तेज आवाज करने वाले मॉडिफाइड साइलेंसर का इस्तेमाल कर रहे थे। इसके अलावा फॉल्टी नंबर प्लेट, बिना हेल्मेट, तीन सवारी बैठाने और वाहनों पर जातिसूचक शब्द लिखवाने जैसे मामलों में भी सख्ती बरती गई। पुलिस ने इन सभी उल्लंघनों को गंभीरता से लेते हुए मोटर वाहन अधिनियम के तहत कुल 260 चालान किए।

शहर के प्रमुख चौराहों और तिराहों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी की गई, जिससे यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने में मदद मिले। गजरौला क्षेत्र में नो-पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के खिलाफ भी चालान की कार्रवाई की गई। वहीं, अनाधिकृत रूप से सवारियां भरने वाले 4 वाहनों को सीज कर थाना डिडौली में दाखिल किया गया।

यातायात पुलिस ने केवल कार्रवाई तक ही सीमित न रहते हुए आम नागरिकों को नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए सड़कों पर रिफ्लेक्टिव साइन बोर्ड भी लगाए, ताकि वाहन चालक सतर्क रह सकें।

इसी क्रम में यातायात प्रभारी द्वारा जनपद से गुजर रहे गंगा एक्सप्रेसवे का भौगोलिक निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान एक्सप्रेसवे पर यातायात संचालन अभी शुरू नहीं मिला, लेकिन इसकी तैयारियां तेजी से चल रही हैं। छोटे वाहनों के लिए 120 किमी प्रति घंटा और भारी वाहनों के लिए 100 किमी प्रति घंटा की गति सीमा निर्धारित की गई है। यह एक्सप्रेसवे अत्याधुनिक सीसीटीवी निगरानी से लैस होगा, जबकि बिजली और अन्य कार्य अभी प्रगति पर हैं।

अमरोहा जनपद में मांगरोला को एंट्री और एग्जिट पॉइंट बनाया गया है। माना जा रहा है कि गंगा एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद एनएच-09 पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और सड़क हादसों में भी गिरावट आएगी। पुलिस का यह अभियान जहां सख्ती का संदेश दे रहा है, वहीं सुरक्षित सफर की दिशा में एक मजबूत पहल भी साबित हो रहा है।

नूडल्स-चिप्स के नाम पर जोखिम, एक्सपायरी माल की बड़ी खेप पकड़ी

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। जनपद में खाद्य सुरक्षा विभाग ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए एक्सपायरी खाद्य पदार्थों के अवैध भंडारण और कारोबार का भंडाफोड़ किया। यह कार्रवाई गुरुवार को ग्राम ढकिया चमन, एनएच-9 स्थित मौहल्ला तेलीपुरा में मुखबिर की सूचना पर की गई, जहां एक गोदाम में भारी मात्रा में एक्सपायरी नूडल्स, स्नैक्स, चिप्स, नमकीन और मिठाइयां बरामद हुईं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनोज कुमार कलश्यान को मिली सूचना के आधार पर सहायक आयुक्त (खाद्य) विनय कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान पाया गया कि गोदाम में बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री एक्सपायरी अवस्था में थी और बिना लाइसेंस के कारोबार किया जा रहा था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए टीम ने तत्काल बिक्री पर रोक लगाते हुए पूरे स्टॉक को सीज कर दिया। कार्रवाई के दौरान गोदाम मालिक कलीम पुत्र छंगा, निवासी ग्राम ढकिया चमन को मौके पर ही नोटिस जारी किया गया। विभाग ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत एक्सपायरी खाद्य पदार्थों के भंडारण और बिक्री के आरोप में अभियोजन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। जब्त किए गए माल की कुल अनुमानित कीमत लगभग 4 लाख रुपये बताई जा रही है। बरामद सामग्री में करीब 10 हजार पैकेट ह्लळङ्घङ्घ ४ह्व ब्रांड के चिप्स, 200 पेटी नूडल्स (प्रत्येक 7.5 किलोग्राम), 1200 पैकेट मूंगफली नमकीन, 2500 पैकेट मूंगदाल नमकीन, 400 पैकेट काजू बर्फी, 400 पैकेट रस्क और लगभग 100 किलोग्राम खुले में रखी नमकीन शामिल है। खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी राकेश कुमार, मनोज कुमार, कुलदीप कुमार और विपिन कुमार सहित अन्य टीम सदस्य मौजूद रहे।

भावालपुर इंटर कॉलेज में 150 छात्रों का टीकाकरण सरकारी अस्पताल की टीम ने टिटनेस डिप्थीरिया के टीके लगाए

दैनिक बुलंद मंज़िल /साकिब अली ऐचौड़ा कम्बोह

भावालपुर । स्थित लिटिल फ्लॉवर्स अकैडमी इंटर कॉलेज में 150 छात्रों का टीकाकरण किया गया स्वास्थ्य विभाग की टीम ने टिटनेस काली खांसी और डिप्थीरिया के टीके लगाए यह टीकाकरण अभियान कक्षा 1 4 5 और 10 के विघार्थियों के लिए अनियोजित किया गया था इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ सीएचओ श्रीमती प्रियंका श्रीमती रीना देवी और श्रीमती अनीता के सहयोग किया विद्यालय के प्रधानाचार्य में जितेंद्र सिंह और समस्त स्टाफ के समर्थन से यह टीकाकरण सफल रहा टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की गई लोगों से अपने बच्चों को निशुल्क टीके लगवा कर उन्हें निरोग बनाने के लिए सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया गया स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस तरह के टीकाकरण अभियान समय-समय पर चलाए जाते रहते हैं।

बीडीए कॉलोनी विवाद पर बड़ा फैसला: त्रिवटीनाथ क्षेत्र में फिर से होगी पैमाइश, 600 भवनों पर लगे लाल निशान पर मंथन

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। नैनीताल रोड स्थित त्रिवटीनाथ मंदिर क्षेत्र की बीडीए कॉलोनी में लगे लाल निशानों को लेकर चल रहा विवाद अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। प्रशासन ने मामले में तेजी दिखाते हुए कॉलोनी को पूरी तरह वैध घोषित कर दिया है। बुधवार को हुई अहम बैठक में यह फैसला लिया गया कि पूरे विवादित इलाके की नए सिरे से पैमाइश कराई जाएगी, ताकि जमीन की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके।

अधिकारियों की बैठक में हुआ बड़ा फैसला

नगर निगम परिसर में अपर नगर आयुक्त शशिभूषण राय की अध्यक्षता में बीडीए, नगर निगम और राजस्व विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई। इस दौरान बीडीए के संयुक्त सचिव दीपक कुमार ने दस्तावेज पेश करते हुए साफ किया कि कॉलोनी नियमानुसार भूमि अधिग्रहण के बाद विकसित की गई थी और इसके सभी नक्शे बीडीए द्वारा स्वीकृत हैं। अधिकारियों ने रिकॉर्ड का मिलान करने के बाद जमीनी स्तर पर जांच जरूरी मानी।

संयुक्त टीम करेगी मौके पर जांच

बैठक में तय हुआ कि बीडीए, तहसील और नगर निगम की संयुक्त टीम मौके पर जाकर पूरे क्षेत्र की पैमाइश करेगी। इसके लिए पहले ही बीडीए के नक्शों का नगर निगम और तहसील के राजस्व रिकॉर्ड से मिलान किया जा चुका है। जांच पूरी होने के बाद अधिकारियों की टीम स्थानीय निवासियों के साथ बैठक कर रिपोर्ट साझा करेगी और स्थिति स्पष्ट करेगी।

600 से ज्यादा भवनों पर लगे हैं लाल निशान

दरअसल, नगर निगम सीएम ग्रिड योजना के तहत नैनीताल रोड के चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण का काम कर रहा है। इसी के तहत करीब 600 से अधिक भवनों पर लाल निशान लगाकर नोटिस जारी किए गए हैं।

नाली निर्माण में बड़ा घोटाला: मानकों को ताक पर रखकर हुआ काम, ठेकेदार पर 2 लाख जुमार्ना, अभियंताओं पर गिरी गाज

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

बरेली। नगर निगम के वार्ड 29 रहपुरा चौधरी में नाली निर्माण के नाम पर बड़ा खेल सामने आया है। निरीक्षण के दौरान न सिर्फ निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठे, बल्कि सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी भी उजागर हो गई। मामले में निगम ने सख्त कार्रवाई करते हुए ठेकेदार पर दो लाख रुपये का जुमार्ना ठोक दिया है, जबकि संबंधित अभियंताओं को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है।

निरीक्षण में खुली पोल, घटिया निर्माण पकड़ा गया

साईं धर्मकांटा से लेकर जगदीप चिकारा के मकान तक चल रहे नाली निर्माण कार्य का जब मौके पर निरीक्षण किया गया, तो कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। करीब 97.93 लाख रुपये की लागत से 15वें वित्त आयोग के तहत हो रहे इस कार्य का ठेका 19 अप्रैल को मेसर्स स्पंदना अग्रवाल को दिया गया था, लेकिन शुरूआत से ही मानकों की अनदेखी सामने आ गई। निर्माण स्थल पर न तो बैरिकेडिंग की गई थी और न ही कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया था। खुदाई के बाद खुले गड्ढे छोड़ दिए गए थे, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों ने भी इस लापरवाही पर नाराजगी जताई।

तकनीकी नियमों को ताक पर रखकर किया काम

जांच में सामने आया कि बीओक्यू के अनुसार जहां पीसीसी का काम होना था, वहां बिना शटरिंग सीधे आरसीसी डाला जा रहा था। करीब 70 मीटर हिस्से में सरियों का जाल बिछाकर उस पर मिट्टी मिश्रित प्लास्टर के साथ काम किया जा रहा था, जो पूरी तरह मानक विहीन और गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम ने तत्काल कार्रवाई की। मौके पर चल रहे घटिया निर्माण को जेसीबी से हटवाया गया। ठेकेदार फर्म मेसर्स स्पंदना अग्रवाल पर दो लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया और कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कार्य की निगरानी में लापरवाही बरतने वाले सहायक और अवर अभियंता पर भी कार्रवाई की गई है।

इनामी बदमाशों से पुलिस की हुई मुठभेड़, दो बदमाश गोली लगने से हुए घायल, दंपति की हत्या की वारदात में शामिल थे दोनों बदमाश

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश पुलिस का ऑपरेशन लंगड़ा लगातार जारी है मुरादाबाद जनपद की सिविल लाइन पुलिस की चेकिंग के दौरान दो बदमाशों से मुठभेड़ हो गई मुठभेड़ में दो बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हो गए पुलिस गिरफ्त में आए दोनों बदमाश बीते 2 दिन पहले पति-पत्नी की चाकू से गोद कर की गई हत्या में शामिल थे पुलिस ने दोनों बदमाशों की निशानदेही पर अवैध तमंचे और कारतूस बरामद किये है ,

दरअसल बीती 20 अप्रैल को सिविल लाइन थाना क्षेत्र के चक्कर की मिलक में मकान की रजिस्ट्री और पैसों के भुगतान को लेकर दबंगों ने पति-पत्नी की चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी थी, घटना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया था पूरी घटना के खुलासे के लिए पुलिस के आला अधिकारियों ने अधीनस्थों को सख्त निर्देश दिए थे पुलिस ने इस मामले में छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था तो वहीं पुलिस इस वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है फरार आरोपियों पर पुलिस के आला अधिकारियों ने 25 - 25 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की थी आज पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली, अगवानपुर चौकी क्षेत्र के समर वैली स्कूल के पास दंपति की हत्या में शामिल बदमाशों का मूवमेंट है , जानकारी मिलते ही सिविल लाइन पुलिस के द्वारा इस पूरे एरिया की घेराबन्दी करके चेकिंग अभियान चलाया गया चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों को पुलिस ने जब रोकने का प्रयास किया तो बदमाशों की ओर से पुलिस पर फायरिंग कर दी गई आत्मरक्षा में चलाई गई जवाबी फायरिंग में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए पुलिस गिरफ्त में आए बदमाशों ने पूछताछ के दौरान बताया कि वह पति-पत्नी की हत्या की वारदात में शामिल थे एक बदमाश का नाम फरजंद है तो वही दूसरे का नाम सुहैल है, पुलिस ने दोनों बदमाशों की निशानदेही पर तमंचे ,जिंदा कारतूस और खोखा कारतूस बरामद किए हैं फिलहाल दोनों बदमाशों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मैड्रिड ओपन : वीनस विलियम्स की लगातार 10वीं हार

एजेंसी □ मैड्रिड

पूर्व विश्व नंबर एक वीनस विलियम्स को मैड्रिड ओपन में कैटलिन क्वेवेडो के हाथों 6-2, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ ही उन्होंने अपना लगातार 10वां सिंगल्स मैच गंवा दिया। 45 वर्षीय विलियम्स 1975 में रैंकिंग शुरू होने के बाद से लगातार 10 मैच हारने वाली पहली पूर्व नंबर एक खिलाड़ी बन गई हैं। इस अनुभवी खिलाड़ी ने आखिरी बार पिछले साल जुलाई में वाशिंगटन ओपन में अपनी हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी पेटन स्टर्न्स को हराकर कोई मैच जीता था। विलियम्स ने 2000 और 2008 के बीच पांच बार विंबलडन जीता और दो बार यूएस ओपन भी अपने नाम किया। ग्रैंड स्लैम में सबसे ज़्यादा बार हिस्सा लेने का रिकॉर्ड उन्हीं के नाम है; इस साल का ऑस्ट्रेलियन ओपन उनका 95वां टूर्नामेंट था। उनकी छोटी बहन सेरेना (44 वर्ष) ने 2022 यूएस ओपन के बाद से कोई मैच नहीं खेला है, लेकिन उन्होंने अभी तक आधिकारिक तौर पर संन्यास की घोषणा नहीं की है।

सैफ महिला चैंपियनशिप 2026

टूर्नामेंट में मेजबान भारत, बांग्लादेश और मालदीव के साथ एक ही ग्रुप में

एजेंसी □ नई दिल्ली

बांग्लादेश के ढाका में सैफ सचिवालय में हुए ड्रॉ के बाद, भारतीय महिला राष्ट्रीय टीम को सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 के ग्रुप बी में बांग्लादेश और मालदीव के साथ रखा गया है। यह टूर्नामेंट 25 मई से 6 जून, 2026 तक गोवा के मडगांव में आयोजित किया जाएगा।

ग्रुप ए में नेपाल, श्रीलंका और भूटान शामिल हैं। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 के सभी मैचों का आयोजन पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया जाएगा।

यह दूसरी बार होगा जब भारत सैफ महिला चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा, इससे पहले 2016 में पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में आयोजित संस्करण में 'ब्लू टाइग्रेस' ने अपना चौथा खिताब जीता था। यह दूसरी बार होगा जब गोवा किसी सैफ टूर्नामेंट की मेज़बानी करेगा। 1999 की पुरुष चैंपियनशिप भी पीजेएन स्टेडियम में ही आयोजित की गई थी, जहाँ भारत ने फ़ाइनल में बंगलादेश को हराकर खिताब जीता था।

भारत सैफ महिला चैंपियनशिप का रिकॉर्ड पाँच बार का चैंपियन है, जिसने 2010, 2012, 2014, 2016 और 2019 में खिताब जीते हैं। बंगलादेश ने 2022 और 2024 में पिछले दो संस्करण जीते हैं।

पाक क्रिकेटर नवाज की मादक पदार्थ सेवन की टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को कहा कि

मोहम्मद नवाज के मादक पदार्थ सेवन की टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद इस मामले में जांच चल रही है। पीसीबी के प्रवक्ता ने बताया, आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को इस मामले की जानकारी दी है और पीसीबी ने जरूरी प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस प्रक्रिया के नतीजे आज आईसीसी को बता दिए जाएंगे। मोहम्मद नवाज आईसीसी की एंटी-डोपिंग प्रक्रिया के दायरे में है। उनका टेस्ट एक 'रिक्रिएशनल ड्रग' (नशे वाली दवा) के इस्तेमाल के लिए पॉजिटिव आया है। इसके कारण इंग्लैंड में होने वाले टी-20 ब्लास्ट के लिए सरे टीम में शामिल होने का नवाज का करार टूट गया है।

चेल्सी की बिना कोई गोल किए लगातार पांचवीं हार

लंदन। ब्राइटन ने प्रीमियर लीग में चेल्सी को पछाड़ते हुए 3-0 से शानदार जीत दर्ज की। इस जीत से ब्राइटन की यूरोपीय टूर्नामेंट में जगह बनाने की उम्मीदें मजबूत हुईं, जबकि संघर्ष कर रहे मेहमान टीम के मुख्य कोच लियाम रोसेनियोर की मुश्किलें और बढ़ गईं। फेर्डी कादियोग्लू, जैक हिंशेलवुड और डैनी वेलबेक के गोलों की बदौलत ब्राइटन छठे स्थान पर पहुंच गया। वहीं, चेल्सी 1912 के बाद पहली बार लगातार पांच लीग मैच बिना कोई गोल किए हार गई है।

प्रीति और अरुंधति टॉप्स कोर ग्रुप में शामिल

एजेंसी □ नई दिल्ली

चार भारतीय मुक्केबाजों प्रीति पवार, प्रिया, अरुंधति चौधरी और सचिन को 2026 एशियाई मुक्केबाजी एलीट चैंपियनशिप में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के कोर ग्रुप में प्रमोट किया गया है, जबकि तीन अन्य को डेवलपमेंट ग्रुप में शामिल किया गया है।

172वीं मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की बुधवार को हुई बैठक में यह फैसला किया गया। प्रीति (54 किग्रा), प्रिया (60 किग्रा) और अरुंधति (70 किग्रा) ने इस महीने की शुरुआत में मंगोलिया के उलानबटार में हुई कॉन्टिनेंटल मीट में स्वर्ण पद जीता था, जबकि सचिन (60 किग्रा) ने रजत पदक हासिल किया। मिशन ओलंपिक सेल ने हाल के नतीजों, विश्व रैंकिंग और प्रदर्शन में हुई प्रगति के विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर यह फैसला लिया।

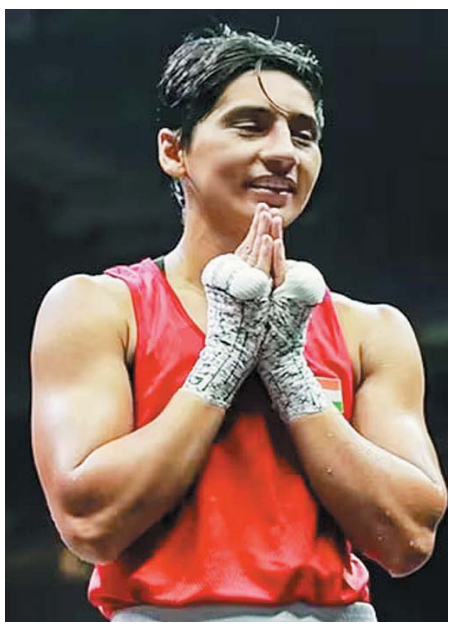

प्रीति इस साल के आखिर में होने वाले ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों और जापान में एशियाई खेलों, दोनों में हिस्सा लेंगी। प्रीति के साथ जैस्मीन (57किग्रा), प्रिया (60 किग्रा), अरुंधति (70 किग्रा), और सचिन (60 किग्रा) भी होंगे। प्रीति, प्रिया और सचिन एशियाई खेलों में भी हिस्सा ले रहे हैं।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
बिजनौर
संभल
शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

चांदपुर तहसील गेट के सामने खड़ा खराब ट्रक बना मुसीबत

दिनभर जाम में फंसे वाहन, भीषण गर्मी में तड़पे स्कूली बच्चे, प्रशासन बेखबर

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। बिजनौर-बदायूं स्टेट हाईवे पर चांदपुर तहसील मुख्यालय के ठीक सामने मंगलवार को एक खराब मिनी ट्रक पूरे दिन जाम का कारण बना रहा। सुबह से लेकर शाम करीब साढ़े तीन-चार बजे तक लोग जाम के झाम से जूझते रहे, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि न तो प्रशासन और न ही पुलिस ने इस ओर कोई ध्यान दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तहसील के मुख्य द्वार के सामने एक मिनी ट्रक अचानक खराब हो गया। ट्रक चालक वाहन का पहिया निकालकर कहीं चला गया और ट्रक को बीच सड़क पर ही छोड़ दिया। इसके चलते धीरे-धीरे यहां लंबा जाम लग गया, जो पूरे दिन बना रहा। स्कूली वाहन भी जाम में फंसे, बच्चे बेहाल इस मार्ग पर कई प्रतिष्ठित स्कूल स्थित हैं। दोपहर में जैसे ही स्कूलों की छुट्टी हुई, दर्जनों स्कूली वाहन जाम में फंस गए। भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच वाहनों में बैठे बच्चे परेशान नजर आए। अभिभावकों और चालकों को भी घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ा। प्रशासनिक लापरवाही पर उठे सवाल स्थानीय लोगों का आरोप है कि पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रही, लेकिन किसी भी प्रशासनिक या पुलिस अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर समस्या का समाधान नहीं किया। यातायात पुलिस भी इस दौरान सक्रिय नजर नहीं आई। लोगों का कहना है कि जहां एक ओर शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने की जिम्मेदारी पुलिस की होती है, वहीं दूसरी ओर पुलिसकर्मी रेलवे फाटकों पर खड़े होकर केवल चालान काटते नजर आए, मानो जाम की समस्या से उनका कोई सरोकार न हो। एक होमगार्ड ने संभाली स्थिति हालांकि, मौके पर एक होमगार्ड यातायात को सुचारु करने के लिए प्रयास करता दिखाई दिया, लेकिन संसाधनों और सहयोग के अभाव में वह भी पूरी तरह जाम खुलवाने में सफल नहीं हो सका। एक खराब ट्रक और प्रशासनिक लापरवाही के चलते पूरे दिन हजारों लोग जाम से परेशान रहे। यह घटना शहर की यातायात व्यवस्था और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

चांदपुर के एसपी कॉन्वेंट स्कूल तिगरी में धूमधाम से मनाया गया अर्थ डे, बच्चों ने किया वृक्षारोपण व रंगों से दिया संदेश

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। विश्व पृथ्वी दिवस (Earth Day) के अवसर पर तिगरी-चांदपुर स्थित एस०पी० कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में पर्यावरण व पृथ्वी संरक्षण विषय पर विभिन्न कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान पूरा विद्यालय परिसर हरियाली और रंग-बिरंगी कलाकृतियों से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। विद्यालय प्रशासन द्वारा आयोजित गतिविधियों ने बच्चों में प्रकृति के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने किया वृक्षारोपण कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में पौधारोपण किया। बच्चों ने पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने और उन्हें वृक्ष बनाने का संकल्प भी लिया। इस दौरान शिक्षकों ने बच्चों को पेड़ों के महत्व और ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर समस्याओं से निपटने के उपायों की जानकारी दी। नन्हे बच्चों ने रंगों से सजाई धरती वहीं नर्सरी से यूकेजी तक के छोटे बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से कागज पर उतारते हुए पेड़-पौधे, नीला आकाश और स्वच्छ धरती के सुंदर चित्र बनाए। उनकी कलाकृतियों ने पर्यावरण संरक्षण का मजबूत संदेश दिया। प्रधानाचार्य और प्रबंधन ने किया प्रेरित विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री भूपेंद्र कुमार ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पृथ्वी हमारा घर है और इसकी रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है। बच्चों का यह उत्साह भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है। स्कूल प्रबंधक श्री अनंत अग्रवाल ने भी छात्रों की प्रशंसा करते हुए उन्हें आगे भी पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण के लिए प्रेरित किया। सामूहिक शपथ के साथ समापन कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त बनाने और जल संरक्षण का संकल्प लिया। इस आयोजन ने न केवल बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया, बल्कि समाज को भी यह संदेश दिया कि पृथ्वी की सुरक्षा के लिए हर व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है।

कोतवाली देहात में सख्ती का संदेश: प्रभारी विकास कुमार अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई को तत्पर

दैनिक बुलंद मंजिल ब्यूरो चीफ बिजनौर

बिजनौर। कोतवाली देहात थाने की कमान संभालते ही प्रभारी निरीक्षक विकास कुमार ने अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के संकेत दे दिए हैं। और लगातार वह अपराध मुक्त बनाने के लिए कोतवाली देहात क्षेत्र में कार्य भी कर रहे हैं उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा द्वारा जताए गए विश्वास पर खरा उतरना उनकी प्राथमिकता है और वे क्षेत्र को अपराधमुक्त बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। गौरतलब है कि पुलिस अधीक्षक ने विकास कुमार का स्थानांतरण नूरपुर थाने से कोतवाली देहात में करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पदभार ग्रहण करने के बाद एक मुलाकात में उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना, क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत रखना और वरिष्ठ अधिकारियों के निदेर्शों का पालन करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। पीड़ितों को न्याय दिलाना और दबंगों व अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करना उनकी कार्यशैली का प्रमुख हिस्सा रहेगा। मधुर स्वभाव के लिए भी जाने जाते हैं विकास कुमार विकास कुमार अपने मधुर व्यवहार और कुशल कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। उनसे मिलने वाला हर व्यक्ति उनके सहज और सकारात्मक व्यवहार से प्रभावित होता है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में कोतवाली देहात क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और बेहतर होगी।

एमएम इंटर कॉलेज नगीना का शानदार परिणाम, हाईस्कूल में 87.61% और इंटर में 90% छात्र हुए उत्तीर्ण

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी।

नगीना। गुरुवार को घोषित हुए बोर्ड परीक्षापरिणाम 2026 में एमएम इंटर कॉलेज नगीना का प्रदर्शन बेहद उत्कृष्ट रहा। विद्यालय के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट दोनों वर्गों में छात्रों ने शानदार सफलता हासिल की है। हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा 2026 में कुल 533 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए,जिनमें से 467 छात्र छात्राएं उत्तीर्ण हुए।इस प्रकार विद्यालय का हाईस्कूल परिणाम 87.61 प्रतिशत रहा।हाईस्कूल वर्ग में मुनीर अहमद अंसारी (92.33%) ने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए जिले में पांचवां स्थान हासिल किया। वहीं मो.जरीफ (80.50%) द्वितीय तथा अनमोल कुमार (76.66%) तृतीय स्थान पर रहे। छात्राओं में इशिका रानी (83.16%) प्रथम, जिया (82.33%) द्वितीय एवं अंशु रानी (82%) तृतीय स्थान पर रहीं। इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2026 में कुल 598 छात्र छात्राएं शामिल हुए,जिनमें से 537 छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए।इस प्रकार इंटरमीडिएट का परीक्षा परिणाम 90 प्रतिशत रहा। इंटरमीडिएट में कार्तिक (78.6%) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि मो.अशहद (74.6%) द्वितीय और मो. समीर (73.60%) तृतीय स्थान पर रहे।छात्राओं में अफजा परवीन (80.40%) प्रथम,आयशा शम्सी (79.40%) द्वितीय तथा मंताशा (78.8%) तृतीय स्थान पर रहीं।विद्यालय के प्रधानाचार्य शाहिद अली गौहर एवं प्रबंधक शाहनवाज खलील सहित समस्त स्टाफ ने सभी सफल छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मुनीर अहमद अंसारी ने हाईस्कूल में 92.33% अंक लाकर जिले में पाई पांचवीं रैंक

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी।

नगीना। नगर के एमएम इंटर कॉलेज के छात्र मुनीर अहमद अंसारी पुत्र नसीम अहमद अंसारी ने हाईस्कूल परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 600 में से 554 अंक प्राप्त कर 92.33 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं।इस उपलब्धि के साथ उन्होंने जनपद में पांचवीं रैंक प्राप्त कर अपने माता पिता और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।मुनीर की इस सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है।कॉलेज के प्रधानाचार्य ने छात्र को मुंह मीठा कराकर बधाई दी तथा उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।उन्होंने कहा कि मुनीर की यह सफलता अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।विद्यालय के शिक्षकों व स्टाफ ने भी मुनीर को शुभकामनाएं देते हुए उसके निरंतर प्रगति की कामना की।

37 डिग्री पार पहुंचा पारा, चांदपुर में झुलसाने लगी गर्मी : दोपहर में सड़कों पर सन्नाटा, बिजली कटौती ने बढ़ाई परेशानी

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। चांदपुर में बढ़ती गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है और मंगलवार को पारा 37 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। भीषण गर्मी और उमस के चलते जनजीवन प्रभावित होता नजर आया, वहीं दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। सुबह 9 बजे के बाद ही तेज धूप ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए, जिससे लोग घरों में रहने को मजबूर हो गए। दोपहर 3 बजे के आसपास हालात और ज्यादा खराब हो गए, जब प्रचंड गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। जरूरी काम से ही लोग घरों से बाहर निकले और बाइक सवार गर्मी से बचने के लिए गमछा बांधकर निकलते दिखाई दिए।मौसम विभाग पहले ही तापमान में लगातार वृद्धि की संभावना जता चुका है, जिससे आने वाले दिनों में और अधिक गर्मी पड़ने के आसार हैं। बिजली कटौती ने बढ़ाई मुसीबत गर्मी के साथ-साथ बिजली की अघोषित कटौती ने लोगों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, वैसे-वैसे बिजली कटौती भी बढ़ती जा रही है, जिससे घरों और दुकानों में हालात और खराब हो रहे हैं। स्कूलों के समय में बदलाव भीषण गर्मी को देखते हुए प्रशासन ने कक्षा 8 तक के परिषदीय स्कूलों के समय में बदलाव कर दिया है। अब स्कूल सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक संचालित होंगे। वहीं, शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक और अन्य कर्मचारियों का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। तेजी से बढ़ती गर्मी और बिजली संकट ने चांदपुर में आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की आशंका के चलते लोगों को और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है।

डीएम ने ईवीएम स्ट्रांग रूम व वीवीपैट वेयरहाउस का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम संरक्षित स्ट्रांग रूम एवं झण्डापुर स्थित वीवीपैट वेयरहाउस का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अग्नि सुरक्षा, विद्युत व्यवस्था, साफ-सफाई, सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती तथा अन्य व्यवस्थाओं की गहनता से समीक्षा की। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन से संबंधित सभी सामग्री की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए स्ट्रांग रूम और वेयरहाउस में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी व्यवस्थाएं हर समय चुस्त-दुरुस्त रहनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, उनकी कार्यशील स्थिति तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों की भी जानकारी ली। साथ ही विद्युत व्यवस्था को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखने तथा परिसर में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जसजीत कौर ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नियमित रूप से निरीक्षण करते हुए सभी व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग की जाए। इस अवसर पर वान्या सिंह भी मौजूद रहीं। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खेलकूद प्रतियोगिता में महत्वपूर्ण सहयोग वाले शिक्षको को किया सम्मानित

दैनिक बुलंद मंजिल हरीश कुमार ठाकुरद्वारा। को खंड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार बॉस के मार्गदर्शन में विद्यालय से लेकर जिला स्तर तक खेलकूद प्रतियोगिता में अपना सहयोग प्रदान करने वाले शिक्षकों अनुदेशकों को तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी महोदय प्रीति सिंह द्वारा सम्मानित कराया गया।इन शिक्षकों के प्रयास से ही इस बार विकास क्षेत्र ठाकुरद्वारा जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उपविजेता रहा।साथ ही साथ विकास क्षेत्र ठाकुरद्वारा के छात्र/छात्राएं ने मंडल स्तर से लेकर राज्य स्तर तक विभिन्न खेलों में गोल्ड, रजत व कांस्य पदक भी जीते।इस अवसर पर उपजिलाधिकारी महोदया द्वारा जीवन में खेल के महत्व को बताया तथा इस सत्र में अभी से बच्चों को तैयारी कराने के लिए सभी को प्रेरित किया।इस अवसर पर सोनिया चौहान , सपना चौहान , सोनी , पीयूष प्रशांत , त्रिवेंद कुमार आदि शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

चांदपुर मे 3-4 दिन से नहर किनारे मृतक पड़ी गौमाता , कुत्तों ने नोच-नोच कर किया क्षत-विक्षत : प्रशासन बेखबर

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। चांदपुर तहसील क्षेत्र में मानवता और संवेदनहीनता की हदें पार करती एक बेहद गंभीर घटना सामने आई है। ग्राम रौनीया के पास नहर किनारे पिछले 3झ4 दिनों से गौवंश (गौमाता) का शव पड़ा हुआ है, लेकिन अब तक प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, शव खुले में पड़ा होने के कारण आवारा कुत्ते उसे लगातार नोच-नोच कर खा रहे हैं। यह दृश्य न केवल बेहद पीड़ादायक और शर्मनाक है, बल्कि समाज की संवेदनशीलता पर भी बड़ा सवाल खड़ा करता है। ग्रामीणों में इस मामले को लेकर भारी रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि गौवंश को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इस तरह की लापरवाही बेहद चिंताजनक है। इसके साथ ही, सड़ते हुए शव से क्षेत्र में बदबू और संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है, जिससे आसपास के लोग परेशान और भयभीत हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल मौके पर टीम भेजकर शव को हटाया जाए और उसका विधिवत निस्तारण कराया जाए। साथ ही, इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। इस गंभीर मामले में प्रदेश के मुख्यमंत्री ङ्ख अ३८ल्लंइँ से भी संज्ञान लेने की मांग की गई है, ताकि जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई हो सके और भविष्य में ऐसी लापरवाही दोबारा न हो। यह घटना प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करती है और तत्काल हस्तक्षेप की मांग करती है।

दैनिक बुलन्द मंज़िल
बिजनौर
संभल
शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

चांदपुर की बेटी ने बढ़ाया मान : सांची राजपूत ने 10वीं बोर्ड में मारी बाजी, जिले में हासिल किया टॉप-10 में स्थान

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। मे यूपी बोर्ड कक्षा 10वीं के घोषित परिणाम में तहसील चांदपुर क्षेत्र की छात्रा सांची राजपूत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे बिजनौर जनपद में टॉप-10 में जगह बनाई है। सांची ने जिले में दसवां स्थान हासिल कर अपने परिवार, स्कूल और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। ग्राम रवाना शिकारपुर की निवासी सांची राजपूत, न्यू आईडिया पब्लिक स्कूल (शाखा गौरी शंकर इंटर कॉलेज, रवाना) की छात्रा हैं। उन्होंने अंग्रेजी माध्यम से कक्षा 10 की परीक्षा में 91.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर यह उपलब्धि हासिल की। मेहनत और अनुशासन का मिला फल सांची की इस सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण को मुख्य कारण माना जा रहा है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित रखा और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय में खुशी का माहौल छात्रा की इस उपलब्धि से विद्यालय में खुशी की लहर दौड़ गई। स्कूल प्रबंधन, शिक्षकगण और सहपाठियों ने सांची को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन की ओर से मयंक चौधरी (प्रबंधक, गौरी शंकर इंटर कॉलेज एवं चेयरमैन, न्यू आईडिया पब्लिक स्कूल) ने सांची की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। क्षेत्र में गर्व का माहौल सांची की सफलता से उनके परिवार और गांव में भी खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों और शिक्षकों ने इसे क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण बताया और सांची को शुभकामनाएं दीं। सांची राजपूत की यह उपलब्धि साबित करती है कि मेहनत और लगन के दम पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उनकी सफलता आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

हैजरपुर कांड में बड़ा मोड़ : प्रशांत सैनी मौत मामले में थमा आंदोलन, परिजनों ने कहा—अब नहीं होगा प्रदर्शन

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । थाना चांदपुर क्षेत्र के गांव हैजरपुर में प्रशांत सैनी की मौत को लेकर बीते दिनों से जारी विरोध-प्रदर्शन आखिरकार थम गया है। मामले में उस समय बड़ा मोड़ आया जब मृतक के परिजनों ने प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर आगे किसी भी प्रकार का आंदोलन न करने का ऐलान कर दिया। गौरतलब है कि गांव हैजरपुर निवासी प्रशांत सैनी के साथ कुछ दिन पूर्व हुई मारपीट के बाद उनकी हालत गंभीर हो गई थी। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई, जिसके बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया और परिजनों के साथ ग्रामीणों ने विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया था। लगातार हो रहे प्रदर्शन के चलते प्रशासन भी सतर्क हो गया था। इसी बीच मृतक के परिजनों ने उपजिलाधिकारी (एसडीएम) नितिन तेवतिया और क्षेत्राधिकारी (सीओ) देश दीपक सिंह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच विस्तार से वार्ता हुई, जिसमें परिजनों की मांगों और समस्याओं पर चर्चा की गई। मुलाकात के बाद परिजनों ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें प्रशासन और शासन स्तर से पर्याप्त सहयोग और सहायता मिल चुकी है। साथ ही उनकी सभी प्रमुख मांगों को भी पूरा कर दिया गया है, जिससे वे संतुष्ट हैं। इसी के चलते उन्होंने आगे किसी भी प्रकार का आंदोलन न करने का निर्णय लिया। परिजनों ने सैनी समाज सहित अन्य समुदायों से भी अपील की कि वे इस मामले में शांति बनाए रखें और किसी प्रकार का विरोध-प्रदर्शन न करें। उन्होंने यह भी घोषणा की कि बिजनौर में प्रस्तावित बड़े स्तर के आंदोलन को भी स्थगित कर दिया गया है। हालात सामान्य होने की ओर : परिजनों के इस फैसले के बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली है और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बहाल होने की उम्मीद जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस व प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो सके।

पालिकाध्यक्ष रवि चौधरी की पहल से 5 साल बाद घरों में पहुंची रोशनी

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

धामपुर। नगर के एक मोहल्ले में पिछले करीब 5 साल 7 महीने से लोग बिना बिजली के जीवन यापन करने को मजबूर थे। आजादी के 75 वर्ष बाद भी यह इलाका अंधेरे में डूबा हुआ था, जहां परिवार सोलर लाइट और अन्य वैकल्पिक साधनों के सहारे किसी तरह अपना गुजारा कर रहे थे।रात होते ही पूरे मोहल्ले में अंधेरा छा जाता था, जिससे बच्चों की पढ़ाई, महिलाओं के घरेलू कार्य और बुजुर्गों की दिनचर्या पर गहरा असर पड़ रहा था। स्थानीय लोगों ने कई बार संबंधित विभागों से शिकायत की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका।आखिरकार मोहल्लेवासी अपनी परेशानी लेकर पालिकाध्यक्ष रवि चौधरी के पास पहुंचे। समस्या की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद पालिका प्रशासन और विद्युत विभाग की टीम के साथ निरीक्षण कर आवश्यक एस्टीमेट तैयार कराया गया। पालिकाध्यक्ष की पहल पर क्षेत्र में बिजली के खंभे लगाए गए और नई लाइन बिछाने का कार्य शुरू कराया गया। अब मोहल्ले में बिजली पहुंच चुकी है, जिससे लोगों में खुशी का माहौल है।स्थानीय निवासियों ने पालिकाध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों बाद उनके घरों में रोशनी आई है। यह केवल बिजली आने की बात नहीं, बल्कि लंबे समय के अंधेरे के बाद नई उम्मीद और विकास की शुरूआत है।

गंगा एक्सप्रेसवे के नाम पर किसानों की उपजाऊ जमीन छीनी जा रही : तिलक राम खौबे

दैनिक बुलंद मंज़िल
सलीम हैदर

बरुकी/बिजनौर। भारतीय किसान यूनियन के युवा किसान नेता तिलक राम खौबे ने गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना को लेकर किसानों की चिंताओं को मुखर करते हुए कहा कि बिजनौर जिले में एक्सप्रेसवे का रूट उपजाऊ कृषि भूमि के बजाय गंगा किनारे से निकाला जाना चाहिए। विकास के नाम पर किसानों की आजीविका छीनना किसी भी कीमत पर उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी उपजाऊ जमीन देने को तैयार नहीं हैं, बल्कि अपनी मेहनत से उगाई गई फसल को बेचने के लिए संकल्पित हैं। सरकार को किसी भी योजना को लागू करने से पहले किसानों के हितों और भविष्य का ध्यान रखना चाहिए। तिलक राम खौबे ने बिजली विभाग द्वारा जिले में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों का भी कड़ा विरोध जताया। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन जिले में स्मार्ट मीटर लगाने की योजना का पूर्ण रूप से विरोध करती है। यदि किसानों और मजदूरों के घरों में जबरदस्ती स्मार्ट मीटर लगाए गए तो जिलेभर में बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। उन्होंने सरकार से किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संवाद स्थापित करने और किसान हित में निर्णय लेने की मांग की।

नाबालिग बेटी की गला घोटकर हत्या,आरोपी पिता गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

नगीना। थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक पिता पर अपनी ही नाबालिग बेटी की गला घोटकर हत्या करने का आरोप है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार आशियाना कॉलोनी निवासी मतलूब ने पुलिस को दी तहरीर देकर बताया कि उसके बहनोई नजाकत ने अपनी नाबालिग पुत्री की गला घोटकर हत्या कर दी।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी नजाकत पुत्र जमीर अहमद, निवासी ग्राम बिन्जाहेडी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अवनीन मान, उपनिरीक्षक सरवेज खां हेड कांस्टेबल बिजेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल वरुण, कांस्टेबल सुफियान शामिल रहे।

नगीना पालिका का 47.13 करोड़ का बजट पास, 2.03 करोड़ अधिशेष का अनुमान

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी।

नगीना। नगर पालिका परिषद नगीना के सभागार में गुरुवार को आयोजित बोर्ड बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।चेयरपर्सन ताहिरा बेगम की अध्यक्षता और वरिष्ठ लिपिक इक़्तेदार आलम जैदी के संचालन में हुई बैठक में 47 करोड़ 13 लाख रुपये की अनुमानित आय और 45 करोड़ 10 लाख रुपये के अनुमानित व्यय के साथ 2 करोड़ 03 लाख रुपये का अधिशेष बजट पेश किया गया।बैठक में एसडीएम/कार्यवाहक अधिशासी अधिकारी आशुतोष जायसवाल व रामप्यारे की मौजूदगी में बजट को मंजूरी दी गई।बजट में वेतन व्यय, विकास कार्य,पथ प्रकाश व्यवस्था,सड़क निर्माण व मरम्मत,जल आपूर्ति,सफाई व्यवस्था,उपकरणों की खरीद व रखरखाव समेत विभिन्न मदों पर खर्च का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा कर संग्रह, सार्वजनिक निर्माण,स्वास्थ्य व सफाई,संविदा कर्मियों के भुगतान,पेंशन,अंशदान,भविष्य निधि और आउटसोर्सिंग सेवाओं पर होने वाले खर्च का भी विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया।बैठक के दौरान सभासदों ने नगर के सभी वार्डों में सफाई और पथ प्रकाश व्यवस्था को और बेहतर बनाने की मांग उठाई।साथ ही एम.एम.इंटर कॉलेज के मैदान में मिनी स्टेडियम के शीघ्र निर्माण, एक सार्वजनिक पुस्तकालय की स्थापना,सड़कों के निर्माण और नई स्ट्रीट लाइट लगाने के प्रस्ताव भी रखे गए।सभासदों ने नगर में घूम रहे छुट्टा पशुओं,बंदरों और कुत्तों को पकड़कर बाहर भेजने, शीतल पेयजल के बंद पड़े फ्रिजों को ठीक कराने,एसी शव वाहन और एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ साथ शहर के सौंदर्यीकरण पर भी चर्चा की।बैठक में बड़ी संख्या में सभासदों और पालिका कर्मियों की उपस्थिति रही।

चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने जरूरतमंद महिलाओं को वितरित की सिलाई मशीनें

50 महिलाओं को मिला रोजगार का सहारा, चेहरों पर दिखी खुशी

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

साहनपुर। नगर पंचायत में गुरुवार को विकास पुरुष चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी द्वारा गरीब एवं जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए 50 सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को रोजगार से जोड़कर आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। सिलाई मशीनें प्राप्त करते ही महिलाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी का आभार व्यक्त किया। महिलाओं ने कहा कि यह सहयोग उनके लिए नई उम्मीद और सम्मानजनक रोजगार का माध्यम बनेगा। कार्यक्रम चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी के आवास पर आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रिटायर्ड जज आदिल अहमद उपस्थित रहे, जबकि निजामत मुफ्ती ओसामा ने की। इस दौरान क्षेत्र के मीडिया कर्मियों को भी फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया। वहीं मुख्य अतिथि रिटायर्ड जज आदिल अहमद को चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी एवं अन्य अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने कहा कि समाज की असली ताकत हमारी माताएं और बहनें हैं। जब महिलाएं आत्मनिर्भर बनती हैं तो परिवार के साथ-साथ पूरा समाज मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्य लगातार जारी रहेंगे। इस अवसर पर सरफराज अंसारी, डॉ. इस्लाम, शेख शमीम, शेख नदीम, नौशाद सरवरी, जाफर, नदीम सलमानी, एडवोकेट आकिब, नवाब मेंबर, लईक मेंबर, अवेस मंसूरी, तस्लीम अहमद, जाकिर शेख, रागिब मिर्जा, अमिल, मुजफ्फर हुसैन, मुस्तकीम मेंबर, सय्यद इरशाद, अराफ, अजमल मेंबर, कासिम मेंबर, आदिल अब्बासी, सरफराज मंसूरी, डॉ. इकबाल, फहीम अहमद, फुरकान, भूरा कुल्फी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ऐसे प्रयास निरंतर जारी रखने पर जोर दिया।

श्री जी सुखराम यादव इंटर कॉलेज से कौशल यादव ने इंटरमीडिएट में जिला टॉप टेन में पाया स्थान, परिवार में खुशी शिक्षकों ने दी बधाई

दैनिक बुलंद मंज़िल /
भूरे सिंह यादव

सौंधन । गुरुवार को यूपी बोर्ड परीक्षाओं का रिजल्ट घोषित किया गया जिसमें संभल तहसील क्षेत्र के गांव सौंधन मोहम्मदपुर में कौशल यादव पुत्र ओमपाल सिंह ने इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण कर जिला टॉप टेन की लिस्ट में नाम रोशन किया ' जी सुखराम यादव इंटर कॉलेज के प्रबंधक नीरज यादव ने बताया की कौशल यादव ने बताया की कौशल यादव शुरू से मेहनती और मेधावी छात्र रहें हैं ' 500 में से 446 अंक प्रात कर जो जिला टॉप टेन की लिस्ट में 8 वें नंबर पर पहुंच कर नाम रोशन किया है ' जिनकी लगन और अनुसान ने उन्हें यह मुकाम हासिल किया है ' परिवार में खुशी का माहौल बना हुआ है ' विद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों ने छात्र को मिष्ठान खिला कर बधाई देते हुए हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्तीर्ण करने वाले सभी छात्र छात्राओं को उज्जवल भविष्य की कामना की।

मंडी में फूड इंस्पेक्टर ने चलाया जागरूकता अभियान, व्यापारियों को दी असली नकली की पहचान

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

नगीना। मंडी समिति परिसर में गुरुवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से जागरूकता अभियान चलाया गया।इस दौरान फूड इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने सरकार द्वारा जनहित में संचालित मोबाइल वैन के माध्यम से व्यापारियों को असली और नकली खाद्य वस्तुओं के बीच अंतर की जानकारी दी। अभियान के तहत व्यापारियों को बताया गया कि किस प्रकार मिलावटी और नकली उत्पादों की पहचान की जा सकती है और उनसे उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य पर क्या दुष्प्रभाव पड़ता है।फूड इंस्पेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी व्यापारी ऐसा कार्य न करे,जिससे लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ हो।उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखना सभी व्यापारियों की जिम्मेदारी है और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।इस दौरान मौजूद व्यापारियों ने विभाग को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया और मिलावटखोरी के खिलाफ अभियान में साथ देने की बात कही।

सरस्वती विद्या मंदिर उ0मा0वि0 शादीपुर बिजनौर के छात्र दीक्षित कश्यप ने हाई स्कूल परीक्षाफल 2026 में लिया कालेज में प्रथम स्थान

दैनिक बुलंद मंज़िल
सलीम हैदर

कोतवाली देहात। क्षेत्र के गांव शादीपुर निवासी भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला मंत्री शिवकुमार कश्यप के होनहार पुत्र दीक्षित कुमार कश्यप ने सरस्वती विद्या मंदिर उच्चमाध्यविद्य शादीपुर बिजनौर से शिक्षा प्राप्त कर हाई स्कूल परीक्षाफल 2026 परिणाम में, हिंदी में,88, अंग्रेजी में 82, गणित में 90, विज्ञान में 82, सामाजिक विज्ञान में 90, कला में 79,अंक प्राप्त किये।85% से हाई स्कूल पास कर कालेज में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने गांव व क्षेत्र व अपने कालेज का किया नाम रोशन। दीक्षित कश्यप अपनी लगन व मेहनत के साथ इस परीक्षाफल का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों को दिया।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
मुरादाबाद
संभल
शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

दयानंद कॉलेज में शेक्सपियर जयंती पर चार्ट निर्माण प्रतियोगिता

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबादः दयानंद कॉलेज, मुरादाबाद के अंग्रेजी विभाग द्वारा गुरुवार को विश्व प्रसिद्ध नाटककार ह्ल्ँ रँी२स्रींश्री की 462वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर छात्राओं के लिए शेक्सपियर की प्रसिद्ध उक्तियों पर आधारित चार्ट निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्ठम सेमेस्टर की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने ह्लअ'' शै ६ङ्म१'ह्लि२ ं २३ँह्व, ह्लळङ्घ्ु, ङ्म१ ल्लङ्म२ ३ङ्घ्ुह्व एवं ह्लरङ्घी ंी ुङ्म१ल्ल ँींश्र३ङ्घह्व जैसी प्रसिद्ध उक्तियों पर सुंदर एवं रचनात्मक चार्ट प्रस्तुत किए निर्णायक मंडल में विभागाध्यक्ष प्रो. रीना मित्तल, प्रो. अर्चना राठौर, डॉ. नीतू सिंह एवं डॉ. कंचन सिंह शामिल रहीं। निर्णायकों ने रचनात्मकता, विषय की समझ, स्वच्छता और प्रस्तुतीकरण के आधार पर विजेताओं का चयन किया परिणाम इस प्रकार रहेः

प्रथम स्थान झ इशरा (बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर) द्वितीय स्थान झ नंदिनी एवं आलिया चांद (बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर) तृतीय स्थान झ अज्माइन (बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर) एवं मानसी कौशल (बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर) सांत्वना पुरस्कार झ अक्शा नूर (चतुर्थ सेमेस्टर) एवं गरिमा (द्वितीय सेमेस्टर) विभागाध्यक्ष प्रो. रीना मित्तल ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि शेक्सपियर का साहित्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना पहले था। कार्यक्रम संयोजक डॉ. नेमिका सिंह ने विजेताओं को बधाई देते हुए छात्राओं को साहित्य से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

डीएम ने बेसिक शिक्षा की समीक्षा में सख्त निर्देश दिए, 7 दिन में RTE बच्चों का प्रवेश अनिवार्य

वंचित बच्चों के लिए 6 टीमें गठित होंगी, विद्यालयों में एमडीएम और फर्नीचर व्यवस्था सुधारने के निर्देश

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग की जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण एवं मध्याह्न भोजन समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आरटीई के अंतर्गत चयनित बच्चों के प्रवेश को लेकर जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिए डीएम ने कहा कि जिन बच्चों का नाम लॉटरी में आ चुका है, उनका प्रवेश आवंटित विद्यालयों में हर हाल में कराया जाए। जो बच्चे अभी प्रवेश से वंचित हैं, उनके लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के स्तर से खंड शिक्षा अधिकारियों के नेतृत्व में दो-दो सदस्यीय कुल छह टीमें गठित की जाएंगी। ये टीमें अभिभावकों व विद्यालय प्रबंधन से समन्वय कर 7 दिन के भीतर सभी बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित करेंगी।उन्होंने नगर क्षेत्र व नगर पंचायतों के विद्यालयों में मध्याह्न भोजन (एमडीएम) की व्यवस्था समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही निपुण भारत ऐप पर बच्चों को नियमित अभ्यास कराने और उनकी प्रगति की समीक्षा करने को कहा।

जिलाधिकारी ने जनपद में कार्यरत 35 एआरपी का रोस्टर तैयार करने और उसी के अनुसार विद्यालयों में आकलन (एसेसमेंट) कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसेसमेंट की प्रक्रिया निर्धारित दो घंटे से पहले किसी भी स्थिति में पूरी नहीं होनी चाहिए मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी ने कहा कि जिन विद्यालयों में फर्नीचर की कमी है, उनकी सूची तैयार कर जिला पंचायत राज अधिकारी को उपलब्ध कराई जाए, ताकि ग्राम पंचायत के सहयोग से डेस्क-बेंच उपलब्ध कराए जा सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जहां पर्याप्त स्थान उपलब्ध है, वहां एमडीएम शेड का निर्माण कराया जाए बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी एवं जिला समन्वयक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पत्नी की हत्या करने वाला पति गिरफ्तार, लोहे का हत्था बरामद

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। थाना कटघर क्षेत्र में पत्नी की हत्या करने के आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे का हत्था भी बरामद किया है पुलिस के अनुसार, 22 अप्रैल को कटघर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की लोहे के हत्थे से हत्या कर दी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। मृतका के भाई की तहरीर पर आरोपी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी कटघर के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए 23 अप्रैल को नामजद आरोपी शोभित गुप्ता निवासी शिवपुरी, डबल फाटक को गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तारी के बाद आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे का हत्था बरामद किया गया। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है पुलिस टीम : उपनिरीक्षक लोकेश कुमार, उपनिरीक्षक भानू प्रताप, हेड कांस्टेबल ब्रजेश कुमार और कांस्टेबल मुदित कुमार की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

मिशन शक्ति फेज-5 के तहत मुरादाबाद पुलिस का जागरूकता अभियान, महिलाओं को दिए सुरक्षा के टिप्स

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद में ह्लमिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के पर्यवेक्षण में महिला सुरक्षा दल द्वारा विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए इस दौरान महिलाओं व बालिकाओं को घरेलू हिंसा से संरक्षण, दहेज प्रतिषेध कानून, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम, पॉक्सो एक्ट, बाल विवाह निषेध तथा महिलाओं की गरिमा के विरुद्ध होने वाले अपराधों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें उनके अधिकारों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया गया महिला सुरक्षा दल ने महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी, जिनमें वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, सीएम हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, वन स्टॉप सेंटर 181, साइबर हेल्पलाइन 1930, स्वास्थ्य सेवा 102 और एम्बुलेंस सेवा 108 शामिल हैं इसके अलावा जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थानों की हेल्प डेस्क तथा राष्ट्रीय व राज्य महिला आयोग से संबंधित जानकारी देकर भी लोगों को जागरूक किया गया। मिशन शक्ति अभियान के तहत जनपद के सभी थानों पर पुलिस की पाठशाला एवं चौपाल लगाकर छात्राओं व महिलाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

विश्व पुस्तक दिवस पर एनएसओ ने माजिद को किया सम्मानित पुरानी किताबों ने खींचा सबका ध्यान

बुलंद मंजिल-संवाददाता

मुरादाबाद। नैशनल सोशल ऑर्गेनाइ जेशन एनएसओ ने आज विश्व पुस्तक दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर मौहल्ला कानून गोयान खजूर हाउस में कार्यकारिणी के पदाधिकारी व सदस्य एकत्र हुये और मुस्लिम पब्लिक लाइब्रेरी से सम्बन्धित शख्सियत व एनएसओ की कार्यकारिणी के सदस्य मौहम्मद माजिद को शॉल उढ़ाकर फूलमाला पहनाकर व एक पुस्तक देकर उनको सम्मानित किया तथा पुस्तकों से उन उनके लगाओ को सराहा। इस मौके पर माजिद साहब ने 100 साल पुरानी किताबें दिखाकर सभी को हैरान कर दिया। युवा लेखक फिरोज खान ने इस मौके पर कहा कि आज हम किताबों सें दूर होकर अपनी सभ्यता को भूलते जा रहे है अन्य वक्ताओ ने कहा कि पुस्तकें हमारी अच्छा मित्र होती है, उनसे हमार जीवन पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। नई नस्ल से अपील की गई कि वह किताबों से अपने आपको जुड़ा रखें इस मौके पर शफात अहद खा मंसूर रेहमान एड इशरत हुसैन, मुसरत हाफीज, हसनैन अखतर, सबदर नियाजी, मो साजिद, वसीम मंसूरी, माँ० साजिद, वसीम मंसूर, मिर्जा अरशद बेग, मुफ्ती मौ आजम फि रोज खाँ, वसीम खान आदि मौजूद रहे ।

दीवान का बाजार, वार्ड-49 में विकास कार्य तेज, पार्षद पप्पू नईम ने रात्रि में कराई 100 मीटर से अधिक डामर सड़क निर्माण

क्षेत्रवासियों में उत्साह, रातभर चला कार्य; स्थानीय लोगों ने जताया आभार

बुलन्द मंज़िल आसिम खान

मुरादाबादः जनपद मुरादाबाद के दीवान का बाजार स्थित वार्ड-49 में कांग्रेस पार्षद पप्पू नईम द्वारा क्षेत्र में लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में बीती रात क्षेत्र में 100 मीटर से अधिक लंबाई की डामर सड़क का निर्माण कार्य कराया गया, जो देर रात तक चलता रहा पार्षद पप्पू नईम की देखरेख में हुए इस कार्य से क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही सड़क समस्या का समाधान हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क खराब होने के कारण आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, विशेषकर बरसात के समय स्थिति और भी खराब हो जाती थी रात्रि में सड़क निर्माण कार्य को लेकर क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में लोग मौके पर मौजूद रहे और कार्य को होते हुए देखा। लोगों ने पार्षद के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के विकास कार्यों से क्षेत्र की तस्वीर बदल रही है पार्षद पप्पू नईम ने बताया कि वार्ड-49 में विकास उनकी प्राथमिकता है और आगे भी क्षेत्र में आवश्यकतानुसार सड़क, नाली व अन्य बुनियादी सुविधाओं के कार्य निरंतर कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना उनका कर्तव्य है और वे इसके लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं क्षेत्रवासियों ने पार्षद का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी तरह विकास कार्य जारी रहेंगे।

कमालपुरी तिराहे का पुलिस अधिकारियों ने किया निरीक्षण, सड़क सुरक्षा के दिए निर्देश

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जनपद में सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में दिनांक 22/23 अप्रैल 2026 को पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, मुरादाबाद एवं क्षेत्राधिकारी ठाकुरद्वारा द्वारा थाना ठाकुरद्वारा क्षेत्र के कमालपुरी तिराहा का स्थलीय निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने तिराहे पर यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।इस दौरान तिराहे पर वाहनों की आवाजाही को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से रिफ्लेक्टर लगवाने की कार्यवाही भी कराई गई, जिससे रात के समय दृश्यता बेहतर हो सके और हादसों में कमी लाई जा सके।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार ऐसे निरीक्षण किए जाएंगे, ताकि आमजन को सुरक्षित यातायात सुविधा मिल सके।

मोहनपुरी उपकेंद्र पर स्मार्ट मीटर समस्याओं के समाधान हेतु विशेष कैम्प 24 अप्रैल को

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद/मेरठ। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए 33/11 केवी मोहनपुरी उपकेंद्र पर विशेष कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह कैम्प 24 अप्रैल 2026 को प्रातः 11 बजे से उपकेंद्र परिसर में आयोजित होगा विद्युत विभाग के अनुसार, इस कैम्प में स्मार्ट मीटर से संबंधित सभी प्रकार की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। उपभोक्ता अपने बिजली बिल में गड़बड़ी, मीटर रीडिंग में अंतर, अधिक या कम बिल आने की शिकायत, बिल संशोधन, भुगतान संबंधी जानकारी तथा अन्य तकनीकी समस्याओं का निस्तारण कैम्प में करा सकेंगे कैम्प को प्रभावी बनाने के लिए विभाग के संबंधित अधिकारी एवं तकनीकी कर्मचारी मौके पर मौजूद रहेंगे, ताकि प्रत्येक उपभोक्ता की समस्या का त्वरित और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जा सके विभाग ने स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने साथ बिजली बिल तथा आवश्यक दस्तावेज लेकर कैम्प में उपस्थित हों। इससे उनकी शिकायतों का शीघ्र निस्तारण संभव हो सकेगा।

नॉर्मल डिलीवरी के नाम पर खेल, नवजात की मौत–अस्पताल पर लापरवाही का आरोप

बुलन्द मंज़िल आसिम खान

मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद के थाना मझोला क्षेत्र स्थित आजाद नगर में एक निजी अस्पताल पर गंभीर आरोप लगाते हुए परिजनों ने हंगामा किया। मामला जेबी हेल्थ केयर अस्पताल का है, जहां कथित चिकित्सकीय लापरवाही के चलते एक नवजात शिशु की मौत हो गई पीड़ित कपिल, निवासी नानपुर (मुरादाबाद), ने आरोप लगाया कि उसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और इंस्टाग्राम पर जुबैरिया नाम की महिला के वीडियो देखकर इस अस्पताल पर भरोसा किया था। इन वीडियो में महिलाओं की डिलीवरी के क्लिप्स दिखाकर नॉर्मल डिलीवरी का शत-प्रतिशत दावा किया जाता था कपिल के अनुसार, उसकी गर्भवती पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और डॉक्टर द्वारा पूरे 9 महीने तक यह भरोसा दिलाया गया कि डिलीवरी सामान्य रूप से ही होगी। परिजनों का आरोप है कि उन्हें लगातार गुमराह किया गया और अंतिम समय में लापरवाही बरती गई, जिसके चलते नवजात की मौत हो गई परिवार ने अस्पताल प्रबंधन पर पैसे ऐंठने और गंभीर चिकित्सकीय लापरवाही के आरोप लगाए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई और परिजनों ने न्याय की मांग करते हुए हंगामा किया सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और मामले की जांच शुरू कर दी है आगे जानकारी देते हुए बताएं–परिजनः ने हमें 9 महीने तक भरोसा दिलाया गया कि सब ठीक है और डिलीवरी नॉर्मल होगी, लेकिन लापरवाही के कारण हमारे बच्चे की जान चली गई। हमें न्याय चाहिए।

दिव्यांगजनों के लिए बड़ी पहल: हर विकास खंड में लगेंगे सहायक उपकरण चिन्हांकन शिविर

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद जनपद के दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक विकास खंड में चिन्हांकन शिविरों का आयोजन किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत जरूरतमंद दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुसार कृत्रिम हाथ-पैर, कैलीपर्स, ट्राईसाइकिल, बैसाखी, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र (कान की मशीन), स्मार्ट केन, एमआर किट, लेप्रोसी किट, स्मार्ट फोन एवं टैबलेट आदि उपलब्ध कराए जाएंगे उन्होंने जानकारी दी कि ऐसे दिव्यांगजन जिन्हें पिछले तीन वर्षों से इस योजना का लाभ नहीं मिला है (छात्र-छात्राओं के लिए यह अवधि एक वर्ष है), उनके आवेदन पत्र एकत्र करने एवं चिन्हांकन के लिए इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है शिविरों की तिथियां इस प्रकार हैं:

28 व 29 अप्रैलः विकास खंड सभागार डिलारी
30 अप्रैल व 02 मईः विकास खंड सभागार ठाकुरद्वारा
04 व 05 मईः विकास खंड सभागार कुन्दरकी
06 व 07 मईः विकास खंड सभागार बिलारी
08 व 11 मईः विकास खंड सभागार मूढ़ापांडे
12 व 13 मईः विकास खंड सभागार भगतपुर टांडा
14 व 15 मईः विकास खंड सभागार छजलैट
16 व 18 मईः विकास खंड सभागार मुरादाबाद

आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेजःयोजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आय प्रमाण पत्र (तहसीलदार अथवा जनप्रतिनिधियों द्वारा निर्गत), जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा जारी 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता प्रमाण पत्र, चिकित्साधिकारी की संस्तुति तथा दिव्यांगता युक्त रंगीन फोटो अनिवार्य होगी पात्र अभ्यर्थी वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं। प्रशासन ने अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजनों से शिविर में पहुंचकर योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
रामपुर/अमरोहा
संभल
शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)
09

दो बाइको को एक साथ मारी टक्कर 6 घायल, रेफर, हालत गंभीर

ग्यारह वर्षीय मासूम जोहान की दिमाग में लगी चोट पैर फेक्कर आई सी यू में एडमिट

दुर्घटनाग्रस्त ऑल्टो कार

घायल मुशाहिद

घायल गुलजार

घायल नीरज

घायल राहुल

दैनिक बुलन्द मंज़िल/ विनोद गुप्ता

शाहबाद रामपुर। मामला नगर के आंवला रोड का है जहां सुबह लगभग 7:00 बजे रामपुर चौराहे पर तेज रफ्तार व लापरवाही से सिरौली की ओर ऑल्टो कर जा रही थी सिरौली की ओर से आ रही दो बाइक को कार ने जोरदार टक्कर मार बुरी तरह घायल कर दिया। जिसमें कार एवं दोनों बाइक पूरी तरीके से घायल हो गई एक बाइक पर सवार दो पति पत्नी व एक 6 माह की बच्ची थी दुर्घटना से पति पत्नी बुरी तरह से गंभीर रूप से घायल हो गए पता करने पर राहुल पुत्र मूलचंद व पत्नी नीरज उनकी 6 माह की बच्ची तमन्ना व दूसरी बाइक पर अपने बच्चों को रोड पर घुमा रहे थे इसको भी उसी कार ने टक्कर मार कर बुरी तरीके से घायल कर दिया बाद वाली बाइक कार दुर्घटना में घायल का नाम मुशाहिद पुत्र केसर अली व मुशाहिद का पुत्र जोहान अली उम्र 11 माह के चोट आई है दुर्घटना हुई थी वहीं पर मुशाहिद की माता जी गुलजार ने दौड़ कर बचाने की कोशिश की तो दुर्घटना स्थल से कुछ दूरी पर मुशाहिद का घर था दुर्घटना के बारे में परिजनों ने सुना तब देखा कि मुशाहिद घायल हो गया उधर कार ड्राइवर भागने लगा परिजनों ने भाग कर ढकिया रोड पर पकड़ लिया ' कार ड्राइवर की रघुनाथ के रूप में पहचान हुई जो कि शाहबाद के मोहल्ला भीतर गांव का था ' मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को एंबुलेंस की सहायता से शाहबाद के सी एच सी गया जहां पर डॉक्टर ने प्रथम उपचार कर हायर सेंटर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया मौके पर पुलिस ने पहुंचकर हालात को काबू में किया भाग रहे ड्राइवर को परिजनों ने पड़कर उसके साथ मारपीट की मौके पर मौजूद पुलिस ने भीड़ से ड्राइवर रघुनाथ को बचाया वह सरकारी अस्पताल में भर्ती कराकर शाहबाद पुलिस ने दुर्घटना में क्षतिग्रस्त कर एक कार व दो बाइकों को पुलिस कस्टडी में लेकर कोतवाली में खड़ा कराया ' वहीं देर शाम मीडिया ब्यूरो विनोद गुप्ता को बातचीत में मुशाहिद के भाई छोटू ने बताया कि उनके भाई के

पैर में फैक्कर का ऑपरेशन हुआ है जबकि उनका भतीजा जोहान के दिमाग में चोट ओर पैर में फ्रैक्कर आया है जिसे हालत खराब होने के कारण आईसीयू में एडमिट किया गया है। जो की मुरादाबाद के निजी अस्पताल में एडमिट है।

रामपुर जिले में शहीद भगत सिंह की छात्रा ने पांचवी रैंक लाकर किया कॉलेज का नाम रोशन

कॉलेज प्रबंधन ने छात्र अंजनी मैथिल के घर जाकर परिजनों सहित मिष्ठान खिलाकर दी शुभकामनाएं

दैनिक बुलन्द मंज़िल /विनोद गुप्ता

शाहबाद रामपुर। रामपुर की तहसील शाहबाद में बिलारी रोड स्थित शहीद भगत सिंह इंटर कॉलेज की छात्रा ने जिले में पांचवी रैंक लाकर कॉलेज एवं परिवार क्षेत्र का नाम रोशन करने का कार्य किया है हमारे ब्यूरो विनोद गुप्ता को कॉलेज के अध्यापक सुनील कुमार ने बताया कि उनके कॉलेज में दो छात्र एवं छात्रा ने बड़ा सराहनीय कार्य किया है जिसने अपने परिवार ही नहीं शहीद भगत सिंह इंटर कॉलेज के सम्मान में स्टार लगाने का कार्य किया है। जिसमें वह दोनों सगे भाई बहन हैं जिनके द्वारा भाई राम ने 12 वीं में

को टॉप किया है , जिनको प्रबंधन के द्वारा आंवला रोड स्थित निकट पेट्रोल पंप के बराबर में पिता प्रवेश कुमार के घर पहुंच कर टॉपर छात्र-छात्राओं को फूलमाला एवं मिष्ठान खिलाकर बड़ी सफलता की शुभकामनाएं प्रेषित की है। जिस सूचना से बच्चों के परिजन भी बेहद खुश नजर आए। इस मौके पर प्रधानाचार्य भुवनेश कुमार सिंह , सुनील कुमार , प्रेम शंकर , शूएवा खान , टॉपर बच्चों के पिता प्रवेश कुमार एवं माता मौजूद रहे।

चरस के साथ आरोपी गिरफ्तार, पुलिस की सतर्कता से खुला नशे का खेल

दैनिक बुलंद मंज़िल/ जितेंद्र यादव

अमरोहा। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अमरोहा नगर पुलिस को एक अहम सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को 200 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया आरोपी लंबे समय से अवैध गतिविधियों में लिप्त बताया जा रहा है, जिससे इलाके में नशे के बढ़ते कारोबार पर एक बार फिर सवाल

खड़े हो गए हैं।

पुलिस के अनुसार, गुरुवार को गश्त के दौरान संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर बिलाल पुत्र जरीफ निवासी मोहल्ला अफगानान को रोका गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 200 ग्राम चरस बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

जांच में सामने आया है कि आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ पहले से आबकारी अधिनियम, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट समेत कई मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। इससे साफ है कि वह लगातार अपराध की दुनिया में सक्रिय रहा है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में नशे के कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए अभियान जारी रहेगा। साथ ही आम जनता से भी अपील की गई है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समाज को नशे के दुष्प्रभाव से बचाया जा सके। इस कार्रवाई से क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता का संदेश गया है और अपराधियों में हड़कंप मच गया है।

पारिवारिक क्लेश में विवाहिता ने किया जहरीले पदार्थ का सेवन हालत नाजुक

दैनिक बुलन्द मंज़िल

शाहाबाद/रामपुर। मामला क्षेत्र के गुलरिया कला गांव का है जहां एक विवाहिता अपने पारिवारिक क्लेश में किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया जिससे महिला की हालत बिगड़ गई आनन फानन में महिला को निजी चिकित्सक के यहां लेकर पहुंचे जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है जानकारी के अनुसार सोमवती पत्नी सुनील अपने घर में अकेली रहती है पति बाहर रहकर रिकशा चला कर परिवार का पालन पोषण करता है आज करीब 4 बजे सोमवती की देवरानी छाया एवं देवर अनिल से किसी बात को लेकर महिला का विवाद हो गया विवाद इतना बढ़ गया कि देवर अनिल एवं देवरानी छाया ने सोमवती को खूब मारा पीटा किसी तरह गांव वालों ने सोमवती को देवर देवरानी से छुड़ाया इसे छुब्द होकर सोमवती ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया इससे महिला की हालत बिगड़ गई महिला को तत्काल में किसी निजी चिकित्सक के यहां उपचार हेतु ले जाया गया जहां पर उसकी हालत गंभीर बनी हुई है समाचार लिखे जाने तक पुलिस में कोई सूचना नहीं दी गई है।

शाहबाद के रामलीला ग्राउंड में दो मई को होगा भव्य श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव

वृंदावन के अमन मिश्री, अमरोहा की रिया अग्रवाल एवं शम्मी की रहेगी प्रस्तुति

दैनिक बुलन्द मंज़िल/ विनोद गुप्ता

शाहबाद रामपुर। आगामी 2 मई को श्री श्याम कृपा समिति के नेतृत्व में शाहाबाद के प्रसिद्ध रामलीला ग्राउंड में श्री श्याम संकीर्तन का भव्य आयोजन होना सुनिश्चित हुआ है जिसके आयोजक श्री श्याम कृपा समिति ने सभी क्षेत्र श्याम प्रेमियों से भारी संख्या में शाम 7:00 बजे तक आने का आग्रह किया है कार्यक्रम में मुख्य कलाकार वृंदावन के अमन मिश्री अमरोहा की रिया अग्रवाल मिलक के शमी सक्सेना रामपुर के प्रेम सांवरिया म्यूजिकल ग्रुप द्वारा सुंदर-सुंदर भजन से बाबा को बुलाने का प्रयास किया जाएगा। जिसमें सभी श्याम भक्त एकत्र होते हुए श्री श्याम कृपा का आनंद प्राप्त करेंगे।

साइबर ठगी पर पुलिस की सर्जिकल स्ट्राइक, पीड़ित को मिली पूरी रकम वापसी

दैनिक बुलंद मंज़िल

नौगांवा सादात। डिजिटल दौर में बढ़ते साइबर अपराधों के बीच एक राहतभरी खबर सामने आई है, जहां थाना नौगांवा सादात की साइबर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ठगी के शिकार बने एक व्यक्ति की पूरी रकम वापस दिलाकर मिसाल पेश की है।

ग्राम अकबरपुर पट्टी निवासी देवकीनन्दन के खाते से बीते दिनों 75,219 रुपये की साइबर ठगी कर ली गई थी। घटना के बाद पीड़ित ने तत्काल शिकायत दर्ज कराई, जिसे ठउपछ पोर्टल पर अपलोड किया गया। इसके बाद पुलिस ने बिना देर किए मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल के साथ समन्वय स्थापित किया और तकनीकी जांच शुरू की। कड़ी मेहनत और सतर्कता के चलते टीम

ने आखिरकार ठगों के जाल को तोड़ते हुए पूरी धनराशि पीड़ित के खाते में वापस करा दी। रकम वापस मिलने पर देवकीनन्दन के चेहरे पर खुशी साफ झलक उठी और उन्होंने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। इस सफलता के बाद पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अपने बैंक खातों, ओटीपी, पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। साथ ही किसी भी अनजान लिंक या आकर्षक ऑफर पर बिना जांचे-परखे भुगतान करने से बचें।

थाना पुलिस की यह कार्रवाई न केवल पीड़ित के लिए राहत बनी, बल्कि समाज में यह संदेश भी दे गई कि जागरूकता और त्वरित कार्रवाई से साइबर अपराधों पर लगाम लगाई जा सकती है।

पुलिस अधीक्षक ने आगामी होमगार्ड परीक्षा सकुशल, निष्पक्ष एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न को ब्रीफ कर दिए दिशा निर्देश

दैनिक बुलन्द मंज़िल रामपुर । गुरुवार को पुलिस अधीक्षक, रामपुर सोमेंद्र मीना द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन, रामपुर स्थित सभागार कक्ष में आगामी होमगार्ड परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत परीक्षा ड्यूटी में लगे समस्त अधिकारी/ कर्मचारीगण को ब्रीफ कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये । इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक, रामपुर एवं समस्त क्षेत्राधिकारीगण उपस्थित रहे।

ऑपरेशन किरण की पहल–टूटते रिश्तों में फिर जगी उम्मीद, 9 परिवारों में लौटी मुस्कान

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी अमरोहा। जहां एक ओर छोटे-छोटे विवाद रिश्तों को तोड़ने की कगार पर पहुंचा देते हैं, वहीं अमरोहा पुलिस की एक पहल ऐसे परिवारों के लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आई है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन किरण अभियान के तहत गुरुवार को 9 परिवारों के बिखरते रिश्तों को फिर से जोड़ा गया। इस अभियान के अंतर्गत थाना हसनपुर, महिला थाना अमरोहा, महिला थाना गजरौला, थाना सैदनगली और थाना अमरोहा देहात पुलिस ने मिलकर पारिवारिक विवादों में उलझे कुल 9 मामलों की काउंसलिंग कराई। प्रत्येक थाने में आए प्रार्थना पत्रों पर गंभीरता से सुनवाई करते हुए दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर उनकी समस्याओं को समझा गया। काउंसलिंग के दौरान पुलिस अधिकारियों ने न केवल कानूनी पहलुओं से अवगत कराया, बल्कि रिश्तों की अहमियत और परिवार के महत्व को भी समझाया। कई मामलों में छोटी-छोटी गलतफहमियां ही बड़े विवाद का रूप ले चुकी थीं, जिन्हें आपसी संवाद और समझदारी से दूर किया गया। धीरे-धीरे माहौल बदला और नाराजगी की जगह अपनापन लौट आया। इस पूरी प्रक्रिया में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया और संबंधित क्षेत्राधिकारी के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम ने संवेदनशीलता के साथ काम किया। आखिरकार सभी 9 जोड़ों ने आपसी सहमति से विवाद खत्म करने का फैसला लिया और एक-दूसरे के साथ प्रेमपूर्वक जीवन बिताने का संकल्प लिया।

काउंसलिंग के बाद सभी परिवारों को खुशी-खुशी उनके घर रवाना किया गया। इस पहल से न सिर्फ परिवार टूटने से बचे, बल्कि समाज में एक सकारात्मक संदेश भी गया कि हर समस्या का समाधान बातचीत और समझदारी से संभव है।

ह्यऑपरेशन किरणह्ल अब केवल एक पुलिस अभियान नहीं, बल्कि रिश्तों को बचाने की एक मानवीय कोशिश बन चुका है, जो अंधेरे में घिरे परिवारों के लिए सचमुच एक नई रोशनी साबित हो रहा है।

वारंटी पर कसा शिकंजा, अमरोहा नगर पुलिस की सटीक कार्रवाई

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। कानून से बचने की कोशिश में लंबे समय से फरार चल रहे एक वारंटी को आखिरकार पुलिस ने दबोच ही लिया। गुरुवार को अमरोहा नगर थाना पुलिस ने सटीक सूचना और योजनाबद्ध कार्रवाई के तहत आरोपी अरबाज पुत्र अकरम को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

बताया जा रहा है कि आरोपी के खिलाफ पहले से ही आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज था और वह लगातार न्यायालय में पेशी से बचता रहा। पुलिस अधीक्षक के निर्देश और उच्च अधिकारियों की निगरानी में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम ने उसे उसके ही इलाके से गिरफ्तार किया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर भरोसा मजबूत हुआ है। वहीं पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी को भी कानून से खिलवाड़ करने की छूट नहीं दी जाएगी। इस कार्रवाई ने साफ संदेश दिया है कि पुलिस की नजर से बचना अब आसान नहीं है और देर-सवेर हर अपराधी को कानून के शिकंजे में आना ही होगा।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

Opinion

संभल
शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

From Village Councils to Factory Floors and City Roads: Women Driving Change

Across India, a quiet yet powerful transformation is underway. Women who were once confined to their homes are now leading village councils, powering factory floors, and even steering public transport. From Rajasthan to Uttar Pradesh and Bihar, their stories reflect a larger shift, when women move forward, society moves with them.

In Gagwana, a small village in Ajmer district, change began with a vision. At the center of this transformation is Sarpanch Guljan Khanam, who believed that true development could not happen without empowering women.

Under her leadership, education became the village's top priority. Families were encouraged to send their daughters to school, and today, nearly every girl in Gagwana is enrolled. The village has achieved 100 per cent enrollment, and practices like child marriage have been firmly discouraged.

Khanam explains her approach: "To empower women, I first focused on making them economically independent. We formed self-help groups and ensured they received financial assistance from government schemes. We also established a women's empowerment center where skill development training is provided to help them become financially strong."

Her efforts have not gone unnoticed. Gagwana Panchayat has been awarded the "Ujiyari Panchayat" recognition, marking it as a model of grassroots progress.

Residents say the impact is visible. Zeba Khan, a beneficiary, notes: "It is rare to see an educated woman leading as a sarpanch in villages. The biggest change we have seen is in education. Now, if we need guidance related to schools or colleges, we can approach her without hesitation. She is always ready to help."

Hundreds of kilometers away in Bundelkhand, Uttar Pradesh, a factory near Sumerpur is telling a different but equally powerful story. From the outside, it looks like any other industrial unit, but inside, it reflects a shift in workforce dynamics.

Women make up nearly 70% of the workforce here. They manage production lines, monitor machines, and handle packaging and quality checks, roles traditionally dominated by men.

Diksha Srivastava, an employee, highlights the significance: "We are not just earning livelihoods--we are redefining gender roles. Around 70 per cent of our workforce is women. We work together as a team, and when people see women stepping out and doing such work, it inspires others. Most importantly, we feel completely safe here."

Beyond employment, these women are becoming role models for others in nearby areas, encouraging more families to support women stepping into the workforce.

In Bihar, the change is visible on the roads. Special "pink buses," introduced with a focus on women's safety and convenience, are now set to be driven by women themselves, a significant step in breaking stereotypes.

Gayatri, from the Musahar community near Patna, is one of the women preparing to take the wheel. Her journey has been anything but easy, but determination kept her moving forward.

From a village council in Rajasthan to factory floors in Uttar Pradesh and the roads of Bihar, these stories may come from different regions, but they carry a common message: empowering women leads to broader social progress.

Today, women in India are not just participating--they are leading, innovating, and reshaping the future. Their journeys reflect a nation in transition, where opportunity and determination are rewriting long-held norms.

As these women step forward, they are not just building their own futures--they are paving the way for a stronger, more inclusive India.

Where Speed Meets Heritage

Mumbai's CSMT is more than a station--It's a living story

Most railway stations are designed for one purpose--to move people from one place to another. But in Mumbai, the Chhatrapati Shivaji Maharaj Terminus (CSMT) does something far greater. It doesn't just move people--it moves history, culture, and the very identity of the city along with them.

At dawn, as the first light touches its grand dome, the station begins its daily transformation. What starts as a quiet architectural marvel soon turns into a sea of motion. More than 1.2 million passengers pass through its corridors every day, their footsteps blending into a rhythm that feels uniquely Mumbai.

Yet, in the middle of this relentless pace, CSMT invites you to pause. Lift your eyes above the crowd, and the station reveals its quieter, timeless side. Built in the 19th century in the Victorian Gothic style, it stands adorned with intricate carvings, sweeping arches, stained glass windows, and a commanding dome--each detail echoing stories of a bygone era.

For many, the station is not just a piece of infrastructure--it is a symbol.

The building reflects our history and heritage. It has become an identity in itself. Whenever Mumbai is portrayed--especially in films--the iconic facade of CSMT is often used to represent the city.

Despite its historic legacy, the station is firmly rooted in the present. Advanced digital signalling systems, upgraded infrastructure, and continuous maintenance ensure that it functions as efficiently as any modern transit hub--without losing its old-world charm.

Visitors often arrive expecting a station but leave having experienced something far more memorable.

Tourists come to explore nearby attractions. But the moment they see CSMT, it felt like the destination itself. Its architecture has such a distinct old-world charm that it draws you in instantly. It's the kind of place people would travel miles just to see.

The architecture is strikingly beautiful. Considering it was built during the British era, the level of maintenance is remarkable. It is truly a matter of pride for Mumbai.

In 2004, CSMT earned recognition as a UNESCO World Heritage Site--a title that acknowledges not only its architectural brilliance but also its role as a "living heritage." Unlike monuments that stand still in time, this station breathes, evolves, and remains deeply woven into everyday life.

More than just a railway station, CSMT is a story unfolding every day--a place where the past stands tall, the present rushes forward, and the future quietly takes shape.

Kashmir Forests no Longer a Terrorist Haven

Vicky Nanjappa

Dense forest cover in Kashmir has long been used by terrorists to evade security forces after carrying out attacks. The thick foliage and difficult terrain have made counter-operations extremely challenging for the security forces, often turning such missions into prolonged and complex exercises.

For years, infiltrators entering Jammu and Kashmir have taken refuge in forests, lying low until they receive instructions to strike. A similar pattern was observed in the Pahalgam attack in April last year, where terrorists reportedly used forest cover both before and after the incident.

In response, security forces launched Operation Mahadev to flush out those who were involved in the attack. An official said the operation demonstrated that terrorists can no longer rely on forests as safe havens. Union Home Minister Amit Shah informed Parliament that the joint operation by the Army, the Central Reserve Police Force, and the Jammu and Kashmir Police on July 28 was successful. He said 3 terrorists, identified as Suleman, Hamza Afghani, and Zibran, were killed in an encounter under Operation Mahadev. The operation was conducted in the dense forest area of Lidwas near Harwan, on the outskirts of Srinagar. Reports say the terrorists were attempting to return to Pakistan. The national security planners were clear that these elements were not getting out, and they had to be brought to justice.

A high-level meeting was held a day after the April 22 attack, bringing together officials from the Army, CRPF, and the Jammu and Kashmir Police. It was tough tracking the terrorists. There was credible information that they were still in the country. They were either planning to carry out another attack and were awaiting instructions or were trying to slip out. Whatever the case, the intention was to stop them from whatever further they were planning. It was human intelligence that gave the first tip. The terrorists were hiding in the Dachigam area. This led to extensive tracking and, with the help of technology, signals were captured. It was on July 22 that one of the terrorists' signals was picked up. This led to the security forces launching the assault, during which the terrorists were surrounded and killed. Indian intelligence agencies were working seamlessly, and once the signals were caught, information began pouring in. However, the toughest part of the operation was the encounter itself. The area was marked by thick vegetation and high altitude, which constrained the movement of security personnel. The terrorists, on the other hand, were trying to exploit these tough conditions to evade arrest or elimination. In the end, the security forces got the better of them. In fact, Operation Mahadev as a decisive effort that also sends a strong message to terror groups. For long, such groups have relied on dense forests and rugged terrain to evade capture, often managing to regroup and strike again. Operation Mahadev underlines that such tactics will no longer guarantee safety.

The security forces displayed exemplary skill and patience. Terror groups will think twice before using such cover and assuming they can get away with it. The operation reflects the resolve of security agencies to track down those involved in terror activities anywhere, even in the most inaccessible forest regions.

Awareness isn't Enough. We Need Accountability

Vivianna Shekhar

Every year on Earth Day, social media is flooded with environmental awareness and for a week, it seems as if everyone cares. After the excitement wears off, we go back to our lives. Awareness about environmental issues such as plastic pollution, climate change, ocean and atmospheric contamination etc is greater now that it ever was before, yet despite all the awareness, very little change is actually happening. The question remains: if awareness alone could help save the planet, wouldn't all the problems disappear?

Earth Day has a different theme every year, this year it's "Our Power, Our planet.", focusing on transitioning to renewable energy use. But the word "power" has another meaning, it refers to the power we have as people who are responsible for our planet. But what exactly is this power and how are we using it?

Awareness clearly isn't an issue, climate change is a relevant phenomenon, schools teach about environmental issues, social media amplifies all the information, and newslines repeat it. We have a very firm understanding of the fact that our planet is in trouble. And yet, not enough is changing. There's a strange gap between knowing and doing. We understand the consequences of their actions, but that understanding doesn't always translate into change. Convenience still wins. Fast fashion is still popular. Single-use plastic is still everywhere. It's not that we don't care, it's that simply caring doesn't seem to be enough. Awareness informs us, but it doesn't push us far enough. It doesn't force discomfort, and it doesn't demand sacrifice. In some ways, awareness has even become a kind of comfort because it has become a substitute for responsibility.. It's easy to post about sustainability, to share an infographic, to participate in conversations that signal concern. These things aren't useless but they can create an illusion of action. They make it feel like something meaningful has been done, even when nothing has actually changed. That's where the idea of "power" starts to feel a bit redundant. If our power is limited to small, individual actions, then it starts to feel insignificant compared to the scale of the problem.This isn't incorrect, of course. Individual choices do matter, but they exist within much larger systems. Corporations produce the majority of global emissions. Industries shape consumption patterns. Governments set policies that either protect the environment or allow its continued exploitation. When responsibility is framed as purely individual, it quietly shifts attention away from those larger forces. Therefore, it isn't that we lack power in any way, we are just hesitant to take it forward. Power isn't just in quiet, personal choices. It's not limited to what we do in isolation. Real power is collective, visible, and sometimes uncomfortable. It's in questioning where products come from, in recognizing when "eco-friendly" claims can be misleading, in supporting policies that prioritize sustainability over convenience.

> Earth Day has a different theme every year, this year it's "Our Power, Our planet.", focusing on transitioning to renewable energy use. But the word "power" has another meaning, it refers to the power we have as people who are responsible for our planet. But what exactly is this power and how are we using it?

"Our Power, Our Planet" doesn't have to be an empty phrase. But for it to mean anything, "power" has to go beyond awareness. It has to include accountability for everyone. not just for individuals, but for the systems that shape our choices.That doesn't mean individual actions are meaningless. They still matter. They build habits, influence others, and reflect values.But they are just the beginning, not the end. Because real change doesn't come from awareness alone. It comes from what we're willing to do with it.

What we need now, is consistency, pressure and action; even if it's inconvenient or imperfect. Thus, our "power" will always be there. We just have to take it.

(**Vivianna Shekhar** is a Class 12 student at **Strawberry Fields High School, Chandigarh**. She is the founder of the **Binthewaste** campaign, a grassroots initiative dedicated to eradicating single-use plastics in local markets through community mobilization and the distribution of sustainable alternatives. Her work in environmental advocacy has been recognized across regional media platforms for its practical approach to urban sustainability.)

दैनिक बुलन्द मंज़िल

Glamour

संभल
शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

Samay Raina calls 'Still Alive' his most honest comedy special

Comedian Samay Raina, who is getting a lot of positive response to his recently released comedy special 'Still Alive', has called it an honest effort towards his craft. The comedy special was released on April 7, 2026, and has crossed 53.4 million views on YouTube, setting a new global record as the most-watched full-length stand-up comedy special in the world, by total views on a single upload.

Talking about the comedy special, he said, "Still Alive is the most honest thing I have ever made. I owe every view to the people who never stopped showing up".

'Still Alive' recorded over 22 million views within its first 24 hours, an extraordinary debut for any long-form content, let alone a stand-up special. Within a week of release, the special had crossed 48 million views. Today, at 53.4 million views, it stands alone at the top of the global leaderboard for full-length stand-up comedy, on any platform, anywhere in the world.

The special captures the comedian's journey in its most raw and unfiltered form. It is not a set about someone who survived a scandal. It is a set about someone, who chose to be exactly who he is, honest, sharp, dark when it needs to be, and genuinely funny. The special comes a year after the controversy that unfolded on the sets of his show 'India's Got Latent', which invited backlash and legal trouble for the comedian.

The controversy erupted after a remark made by podcaster Ranveer Allahbadia. The episode went viral, triggering a cascade of FIRs across multiple states, summons from the National Commission for Women, an inquiry by the Maharashtra Cyber Cell, and intervention that reached the Supreme Court of India. Samay Raina took down every episode from YouTube, and co-operated with authorities including a six-hour interrogation session at the Maharashtra Cyber Cell in Navi Mumbai. Then, in August 2025, he returned to the Stage with the Still Alive & Unfiltered India tour commenced in Bengaluru and Bharat Mandapam in Delhi, Talkatora Stadium. The tour then went global Europe, Australia, and the USA.

Ektaa Kapoor seeks casting suggestions for 'Broken But Beautiful'

Producer Ektaa Kapoor is inviting suggestions from the viewers of the show 'Broken But Beautiful'. On Wednesday, Ektaa took to her Instagram, and shared clips from the show. She also penned a long note in the caption, as she wrote, "Should we do another season? And who should be the couple? Some suggestions guys?".

This question has since set the internet buzzing with speculation and wish lists. With 'Broken But Beautiful' already enjoying a loyal fan base for its emotionally layered narratives and memorable performances, the idea of a new season has naturally generated massive anticipation. Meanwhile, adding to her recent success, her film 'Bhooth Bangla' has emerged as one of the first hits of the year, further cementing her status as a powerhouse producer who knows exactly what works.

The film also stars Tabu, Rajpal Yadav, Jisshu Sengupta, Asrani and Mithila Palkar. In fact, Ektaa had revealed that Bollywood superstar Akshay Kumar once returned her the money after one of their earlier collaborations didn't work at the box-office. She spoke about the superstar's generosity and ethics.

She told the media, "Not many people know this about him but once, he returned the cheque saying that, 'You have lost money because of this film'. I was in shock, nobody does this. I have been in the industry for 31 years, and I haven't seen anyone doing that. He just casually handed over the cheque to me saying, 'Take it'. I then told him, 'No you will have to do a film with me', and that's how this film got made".

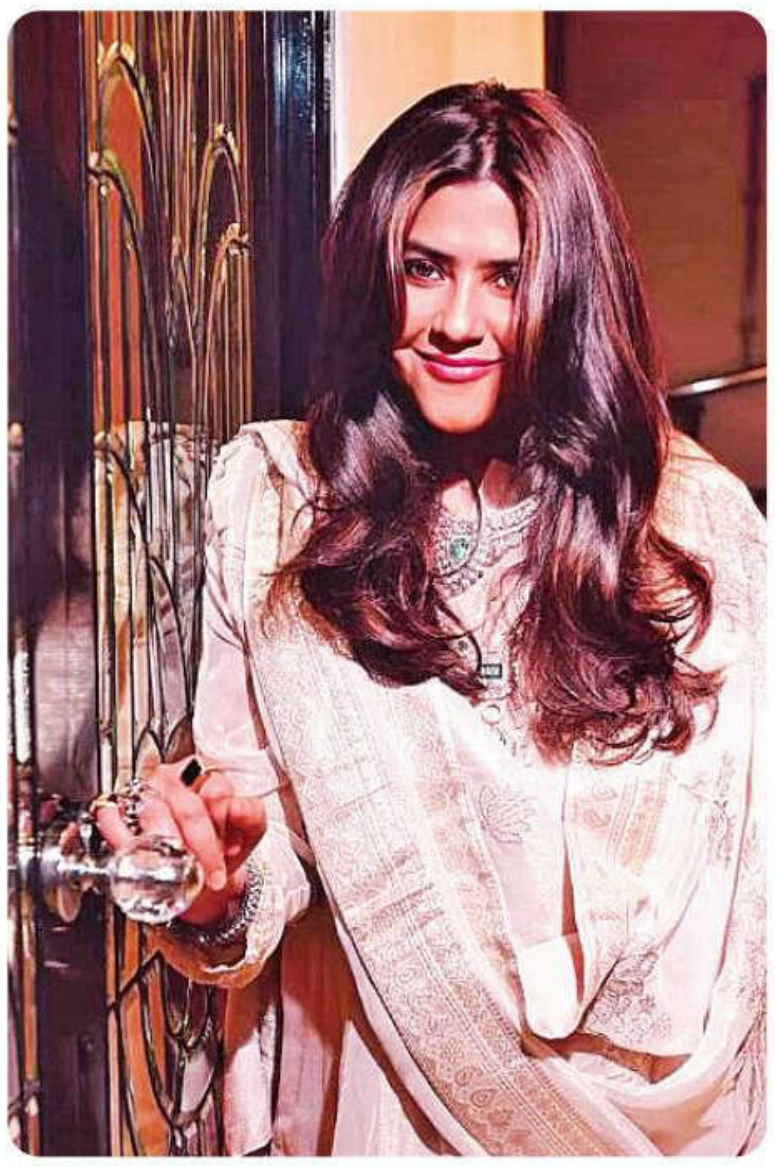

Presented by Balaji Motion Pictures, a division of Balaji Telefilms Ltd, in association with Cape of Good Films, 'Bhooth Bangla' is directed by Priyadarshan, and produced by Akshay Kumar, Shobha Kapoor, and Ektaa R Kapoor.

Rupali Ganguly says "the anger is still alive" while remembering victims of the Pahalgam attack

It has been a year since the horrific Pahalgam massacre. Taking to her official social media handle, renowned television actress Rupali Ganguly said that despite a year having passed by, the anger is still alive in the hearts of the citizens for the innocent lives lost in the terrorist attack.

The 'Anupamaa' actress wrote on her X (Earlier known as Twitter) handle, "One year after the Pahalgam terror attack, the anger is still alive. Innocents were hunted, identities were targeted. We remember them today, with grief and with resolve. India will never forget. #PahalgamAttack (sic)."

Additionally, actress Isha Koppikar also remembered the victims of the Pahalgam attack with a social media post that read, "Time may have moved forward, but the silence of that day still lingers...(sic)" "A year later... still felt, still remembered", she added the caption.

In June last year, Rupali took a dig at those who kept mum during Operation Sindoor, a surgical strike carried out by the Indian Forces in response to the Pahalgam attack.

She said, "Operation Sindoor is a matter of pride for every Indian. Whether it is fully successful or still ongoing, it is a very proud feeling."

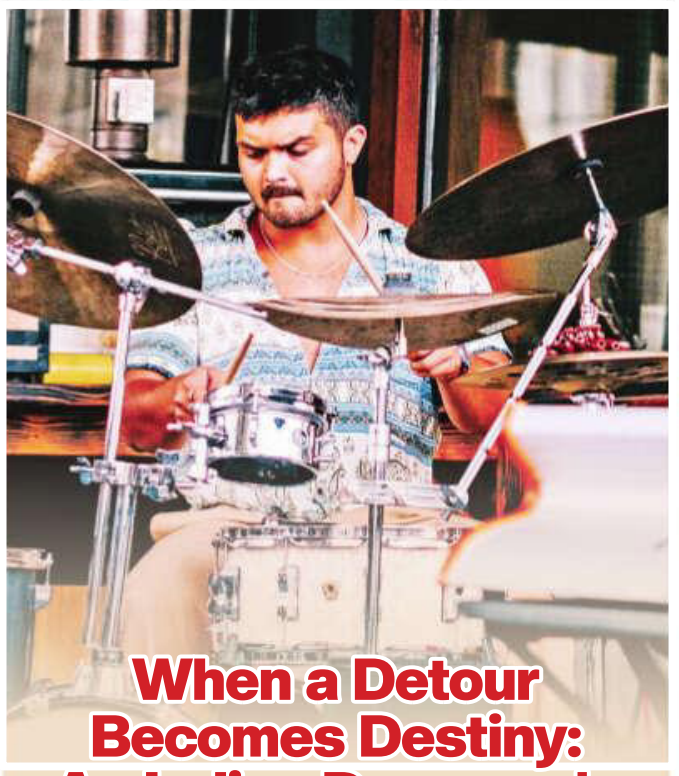

When a Detour Becomes Destiny: An Indian Drummer's Journey to Nashville

For many young Indians, the path is clear: pursue stability and stay the course. Abhishek Raj Sinha, known as Raj, chose differently. Raised in Gurgaon, Raj began with tabla at eight before discovering the drum kit, inspired by his sister, singer-songwriter Abhilasha Sinha. Though he initially followed a traditional route at University of Illinois Urbana-Champaign, he soon realized his passion lay in music.

He moved to Nashville to study audio engineering at Belmont University, immersing himself in a thriving music scene. There, he grew rapidly as a drummer and musician, shaped by collaborations and live performance.

A key phase of his journey included working with producer Mukul Jain at Ferris Wheel Studios, where he honed his craft through extensive recording sessions. At Belmont, he partnered with Benjamin Joseph, winning the Belmont Country Showcase and performing at the Best of the Best Showcase.

Raj has collaborated with artists including MALINDA, Venus and the Flytraps, Kamakshi Khanna, PhiloSofie, Aaditya Goswami, June Rosewell, and Abhilasha Sinha, contributing to projects with millions of streams globally.

Now based in Nashville at Broken Door Studios, Raj continues to build his career. His Instagram, @rajondrums, has garnered over a million views, reflecting his growing global reach. His story highlights the power of choosing passion over predictability, inspiring a new generation of Indian artists to pursue their own paths.

Neha Dhupia reveals her contractions while pregnant began at Yash Raj Studios

Actress Neha Dhupia opened up about her pregnancy journey, revealing that her contractions began while she was shooting at Yash Raj Studios.

Appearing on actress Parineeti Chopra's recently launched talk show, 'Mom Talks', Neha spoke about how she continued working until eight-and-a-half months pregnant as she was determined on keeping up with her professional commitments come what may.

In the promo shared by Parineeti on her social media account, Neha who was the guest of the day, elaborated on balancing motherhood and profession.

On the show, which strikes conversations with parents about their journeys through parenthood, Neha also spoke about the pressures faced by working mothers.

Responding to Parineeti's question about societal expectations from a new mother, Neha said, "As a woman, you should be able to do all the things you wish to do after becoming a mom. The needle shouldn't change too much."

She revealed, "I wanted to go back to work. I worked right till the end, till eight and a half months pregnant. My contractions actually started at Yash Raj Studios."

Rasha Thadani stresses the need to protect animals on Earth Day

As we all celebrate 'Earth Day' on Wednesday, newbie actress Rasha Thadani has urged all to focus on protecting our animals as a crucial part of saving the planet. Rasha stressed that animals play a significant role in ensuring our survival.

The 'Azaad' actress took to social media and dropped a cute video of herself trying to shake hands with a street dog.

Talking about the significance of the survival of all forms of life on earth, Rasha went on to write on her official Instagram handle, "Happy Earth Day. I hope this year we understand the importance of our forests and our wildlife. Earth Day isn't just about the beaches and mountains that Mother Earth has gifted us, it's about all life on Earth. (sic)"

"Protecting animals is a key part of protecting the planet. Our survival is directly dependent on them, the sooner we understand that- the better for us," she went on to add.

Not only her, but another Bollywood beauty, Shilpa Shetty, also published a post this "Earth Day".

The 'Dhadkan' actress used the opportunity to remind everyone that it is extremely crucial to keep in touch with nature.

She shared that it is only by connecting with our Mother Earth that we truly come to realize who we really are.

Shilpa penned on the photo-sharing app, "On Earth Day and every day, a gentle reminder to "ground yourself " bare feet on the earth, letting her energy heal and restore you... reconnect with nature, the sun on your skin, soil beneath your feet, birds chirping, waves whispering, and the breeze brushing your face... because when you touch the Earth, you remember who you truly are. (sic)".

'Earth Day' was first celebrated on April 22, 1970, as an initiative by U.S. Senator Gaylord Nelson to address the growing concerns regarding pollution, industrial waste, and the resultant environmental degradation.

दैनिक बुलन्द मंज़िल
बरेली
संभल
शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

दूसरी बार सपा जिलाध्यक्ष बने सुभलेश यादव, बोले नौ की नौ सीटें जीतकर दिखाएंगे

प्रेस वार्ता में संगठन मजबूत करने का संकल्प, भाजपा सरकार पर भी बोला हमला

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। समाजवादी पार्टी में एक बार फिर बड़ा संगठनात्मक बदलाव देखने को मिला है। पार्टी ने अनुभवी नेता सुभलेश यादव को दोबारा बरेली का जिलाध्यक्ष नियुक्त कर अहम जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति के बाद सुभलेश यादव ने सपा कार्यालय पर प्रेस वार्ता कर अपने इरादे स्पष्ट किए।

प्रेस वार्ता के दौरान सुभलेश यादव ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो भरोसा उन पर जताया है, उस पर वह पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना और कार्यकताओं को एकजुट करना है।

दूसरी बार मिली जिम्मेदारी

गौरतलब है कि सुभलेश यादव इससे पहले वर्ष 2017 से 2019 तक भी बरेली जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। एक बार फिर उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपे जाने को उनके अनुभव और संगठन पर मजबूत पकड़ के रूप में देखा जा रहा है।

अखिलेश यादव का भरोसेमंद चेहरा

सुभलेश यादव को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का करीबी और भरोसेमंद माना जाता है। उनकी नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की ओर से जारी मनोनयन पत्र के जरिए हुई है।

गुटबाजी खत्म करने की कवायद

राजनीतिक जानकारों के अनुसार, यह नियुक्ति बरेली में सपा की आंतरिक गुटबाजी को खत्म करने और संगठन को एकजुट करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। साथ ही इसे आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी से भी जोड़ा जा रहा है।

बड़ा दावा ह्लनौ की नौ सीटें जीतेंगे

सुभलेश यादव ने प्रेस वार्ता में बड़ा दावा करते हुए कहा कि सपा आने वाले चुनाव में शहर की सभी नौ विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी जो वादा करती है, उसे निभाती भी है। हम सभी को साथ लेकर चलेंगे और जनता के भरोसे पर खरे उतरेंगे।

भाजपा सरकार पर हमला

प्रेस वार्ता के दौरान सुभलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अब जनता भाजपा सरकार को पूरी तरह समझ चुकी है और आने वाले चुनाव में उसे सबक सिखाएगी। उन्होंने दावा किया कि जनता बदलाव के मूड में है और सपा को मजबूत समर्थन मिलेगा।

अगर मेरी नहीं हुई तो किसी और की भी नहीं होने दूंगा

शादी का झांसा, अश्लील स्क्रीनशॉट से ब्लैकमेल करने का आरोप

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ प्यार और शादी के नाम पर धोखाधड़ी, अश्लील स्क्रीनशॉट के जरिए ब्लैकमेलिंग और दहेज मांग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि युवक ने पहले झूठी पहचान बनाकर युवती को अपने जाल में फंसाया, फिर उसकी निजी तस्वीरों का गलत इस्तेमाल कर उसे ब्लैकमेल करने लगा। थाना बारादरी क्षेत्र की रहने वाली युवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी जान-पहचान लखनऊ निवासी पवन वर्मा से हुई थी। पवन ने खुद को बड़े सराफा कारोबारी का बेटा बताते हुए शादी का प्रस्ताव रखा।

आरोप है कि बातचीत के दौरान पवन ने भावनात्मक रूप से युवती को अपने विश्वास में लिया और वीडियो कॉल के जरिए धोखे से उसके अश्लील स्क्रीनशॉट ले लिए।

दहेज में 5 लाख की मांग

जब युवती के परिजनों ने लखनऊ जाकर जांच की तो पवन की सच्चाई सामने आ गई। वह किसी बड़े कारोबारी का बेटा नहीं बल्कि एक कपड़े की दुकान पर काम करता है। इसके बाद आरोपी और उसके परिवार ने शादी के लिए 5 लाख रुपये नकद दहेज की मांग रख दी। सच्चाई सामने आने पर जब युवती के पिता ने रिश्ता करने से इनकार किया, तो मामला और बिगड़ गया।

ब्लैकमेलिंग और दबाव

आरोप है कि पवन ने युवती के अश्लील स्क्रीनशॉट वायरल करने की धमकी देकर उस पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया। विरोध करने पर उसने ये स्क्रीनशॉट शाहजहांपुर निवासी ज्ञानेश वर्मा को भेज दिए।

ज्ञानेश ने भी कथित तौर पर युवती की बदनामी करने की नियत से ये स्क्रीनशॉट रिश्तेदारों और परिचितों में वायरल कर दिए।

बदनामी से टूटा रिश्ता

इस घटना के चलते युवती की सामाजिक प्रतिष्ठा को गहरा आघात पहुंचा और उसका तयशुदा रिश्ता भी टूट गया। पीड़िता का आरोप है कि अब आरोपी उसे लगातार धमकी दे रहा है अगर मेरी नहीं हुई तो किसी और की भी नहीं होने दूंगा। पीड़िता ने थाना बारादरी में तहरीर देकर आरोपी पवन वर्मा और उसके सहयोगी ज्ञानेश वर्मा के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

छात्रा से छेड़छाड़, विरोध करने पर घर में घुसकर हमला परिवार दहशत में

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र में एक छात्रा से लगातार छेड़छाड़ का मामला अब हिंसा में बदल गया। आरोप है कि पड़ोसी युवक ने छात्रा का पीछा कर छेड़छाड़ की, विरोध करने पर आरोपी पक्ष ने घर में घुसकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घटना के बाद पीड़ित परिवार दहशत में है। थाना क्षेत्र निवासी पिता ने थाना बारादरी में दी तहरीर में बताया कि उनकी बड़ी बेटी जब स्कूल और कोचिंग जाती है, तब पड़ोस का युवक रोहन पुत्र हरिशंकर रोज उसका पीछा करता था और अश्लील फब्तियाँ कसता था।

परिवार ने कई बार आरोपी को समझाया और उसके घर भी शिकायत की, लेकिन कोई असर नहीं पड़ा। आरोप है कि युवक की हरकतें लगातार बढ़ती चली गईं।

रास्ते में रोका, जबरन ले जाने की कोशिश

20 अप्रैल 2026 की सुबह करीब 10 बजे छात्रा कोचिंग जा रही थी, तभी आरोपी रोहन ने उसे रास्ते में रोक लिया।

बताया गया कि उसने छेड़छाड़ करते हुए जबरन अपने साथ ले जाने की कोशिश की। छात्रा के शोर मचाने पर आरोपी मौके से भाग गया। घटना के बाद जब पिता आरोपी के घर शिकायत करने पहुंचे, तो वहां भी विवाद हो गया। आरोप है कि कुछ देर बाद आरोपी के परिवार के लोग माता अंगूरी देवी, पिता हरिशंकर, बहन और दो अन्य अज्ञात लाठी-डंडे लेकर पीड़ित के घर में घुस आए।

घर में घुसकर जमकर मारपीट की गई,गाली-गलौज और तोड़फोड़ की गई। जान से मारने की धमकी देकर आरोपी फरार हो गए।

परिवार में दहशत, जान-माल का खतरा

पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपी पक्ष से उन्हें लगातार जान-माल का खतरा बना हुआ है। घटना के बाद पूरे मोहल्ले में भय और आक्रोश का माहौल है। पीड़ित ने थाना बारादरी पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। बारादरी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इज्जतनगर में शराबी युवक का आतंक

छेड़छाड़ का विरोध करने पर महिला के पति का सिर फोड़ा, हालत गंभीर

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना इज्जतनगर क्षेत्र के मुंशी नगर में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक शराब के नशे में धुत युवक ने महिला से छेड़छाड़ का विरोध करने पर उसके पति पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में घायल व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है और वह अस्पताल में भर्ती है। फिलहाल महिला की तहरीर के आधार थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पीड़िता के अनुसार, वह अपनी बेटी और पति के साथ रात में घर लौट रही थी। तभी गली का ही रहने वाला युवक पियूष गुप्ता नशे की हालत में उनसे बदतमीजी और छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर भी वह नहीं माना और लगातार अभद्र व्यवहार करता रहा। जब परिवार ने घर का दरवाजा खुलवाया, तभी आरोपी के पिता भी बाहर आ गए। उन्होंने बेटे को डांटने की कोशिश की, लेकिन युवक और ज्यादा उग्र हो गया और पीड़िता के पति पर हमला बोल दिया। आरोप है कि युवक ने पति को बुरी तरह पीटा, उनके कपड़े फाड़ दिए और पत्थर से सिर पर वार कर दिया, जिससे उनका सिर फट गया और काफी खून बहा। जब परिजन बीच-बचाव करने पहुंचे तो आरोपी ने उन्हें भी पीटा।

112 पर कॉल, पुलिस पहुंची आरोपी फरार फिर पकड़ा गया

घटना के बाद पीड़ित परिवार ने तत्काल 112 पर कॉल किया। पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी वहां से भाग गया, लेकिन बाद में उसे पकड़ लिया गया। घायल को तुरंत शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पीड़ित परिवार ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और न्याय दिलाने की मांग की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोबाइल छिनैती का खुलासा: आरोपी गिरफ्तार, फोन बरामद

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना सीबीगंज क्षेत्र में हुई मोबाइल छिनैती की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। 17 अप्रैल 2026 को ग्राम अटा कायस्थान निवासी सोहील खान के पुत्र मोहम्मद जैद खान से एक अज्ञात बदमाश ने सफेद रंग की अपाचे मोटर साइकिल से पीछा करते हुए सैमसंग अ15 मोबाइल छीन लिया था और फरार हो गया था। घटना के संबंध में 18 अप्रैल 2026 को थाना सीबीगंज में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने 23 अप्रैल को मुखबिर की सूचना के आधार पर वांछित आरोपी साकिर पुत्र सगीर अहमद, निवासी महलऊ थाना इज्जतनगर, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से छीना गया सैमसंग मोबाइल बरामद किया।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। उसने बताया है कि घटना के समय वह अपने भाई की सफेद अपाचे मोटर साइकिल (नंबर वढ25 एर 7546) का इस्तेमाल कर रहा था। बरामद मोबाइल की पहचान पीड़ित द्वारा मौके पर ही कर ली गई। पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं में बढ़ोतरी करते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

मेरा बेटा निर्दोष है, पुलिस ने बर्बाद कर दिया मां की भावुक गुहार

सैटेलाइट चौकी इंचार्ज पर गंभीर आरोप, CCTV जांच की उठी मांग

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। जनपद में पुलिस की कार्यशैली पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। थाना बारादरी क्षेत्र के सतीपुर रोड निवासी एक महिला ने अपने बेटे को झूठे मुकदमे में फंसाकर थर्ड डिग्री देने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। पीड़ित परिवार ने एसएसपी कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पीड़िता मुन्नी देवी का कहना है कि उनका पुत्र रंजीत मौर्य 19 अप्रैल की शाम सतीपुर चौराहे पर सब्जी लेने गया था। उसी दौरान वहां उसके परिचित सोनू और सैटेलाइट चौकी प्रभारी के बीच कहासुनी हो रही थी।

आरोप है कि जब रंजीत ने बीच-बचाव करते हुए पुलिस से अभद्र भाषा का विरोध किया, तो चौकी प्रभारी उसे जबरन चौकी ले गए।

चौकी में थर्ड डिग्री, हालत बिगड़ी

परिजनों के मुताबिक चौकी पर रंजीत के साथ बेरहमी से मारपीट की गई और थर्ड डिग्री दी गई।हालत इतनी बिगड़ गई कि नाक और मुंह से खून आने लगा, जिसके बाद उसे हवालात में बंद कर दिया गया।

ठउढर एक्ट में मुकदमा दर्ज, जेल भेजा

आरोप है कि पुलिस ने बाद में रंजीत को स्मैक तस्करी के आरोप में ठउढर अू३ के तहत फर्जी तरीके से फंसाकर जेल भेज दिया।परिजनों का कहना है कि रंजीत का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और उसे रंजिशन निशाना बनाया गया है।

जेल में बिगड़ी हालत, अस्पताल में भर्ती

रंजीत इस समय जिला कारागार में बंद है। परिजनों के अनुसार, हालत खराब होने पर उसे जेल अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पत्नी रेनू मौर्य ने बताया कि मुलाकात के दौरान उनके पति ठीक से चल-फिर और बोल भी नहीं पा रहे थे।

उउळश फुटेज से खुलेगा राज?

परिवार ने दावा किया है कि घटना स्थल के आसपास लगे उउळश कैमरों में पूरी सच्चाई कैद है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि फुटेज की जांच कर सच्चाई सामने लाई जाए।पीड़ित परिवार ने साफ चेतावनी दी है कि यदि रंजीत को कुछ भी होता है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सैटेलाइट चौकी इंचार्ज और संबंधित पुलिसकर्मियों की होगी।

पति की हैवानियत

मारपीट कर पत्नी को घर से निकाला

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना कैंट क्षेत्र में एक विवाहिता के साथ घरेलू हिंसा, उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर मारपीट, बदनामी और घर से निकालने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

थाना कैंट क्षेत्र की रहने वाली महिला ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसका पति शराब का आदी है और आए दिन छोटी-छोटी बातों पर उसके साथ मारपीट करता है। इतना ही नहीं, वह गाली-गलौज कर उसे घर से निकालने और छोड़ देने की धमकी भी देता है। पीड़िता के मुताबिक, उसका पति उस पर बेबुनियाद आरोप लगाकर समाज में बदनाम करता है। इससे वह मानसिक और शारीरिक रूप से बुरी तरह टूट चुकी है। घटना की रात क्या हुआ? दिनांक 15 अप्रैल 2026 की रात करीब 8 बजे जब महिला ने अपने पति को खाना दिया, तभी उसने दूसरे मोबाइल फोन रखने का आरोप लगाकर विवाद शुरू कर दिया। विरोध करने पर उसने गाली-गलौज करते हुए महिला को लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा, जिससे उसके शरीर पर कई चोटें आईं। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई।

ससुराल पक्ष महिला ने अपने जेठ , जेठानी , जेठ और ननद पर भी आरोप लगाया है कि ये सभी उसके पति को भड़काते हैं और झूठी बातें कहकर घर में विवाद करवाते हैं। पीड़िता का कहना है कि इन सभी ने मिलकर उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। बच्चों से भी दूर की गई मां सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि पीड़िता को उसके छोटे-छोटे बच्चों से मिलने तक नहीं दिया जा रहा है, जिससे वह बेहद परेशान और असहाय महसूस कर रही है। पीड़िता ने थाना कैंट पुलिस से मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और उसे व उसके बच्चों को सुरक्षा प्रदान कर न्याय दिलाया जाए। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने प्रार्थना पत्र के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फुटपाथ पर अतिक्रमण का जाल:

पार्किंग, ठेले और दुकानों ने घेरा रास्ता, पैदल चलना हुआ जोखिम भरा

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। शहर में पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए बनाए गए फुटपाथ अब धीरे-धीरे अतिक्रमणकारियों के कब्जे में जाते नजर आ रहे हैं। मिनी (अब्दुल कलाम मार्ग) फुटपाथ पर अतिक्रमण का जालः पार्किंग, ठेले और दुकानों ने घेरा रास्ता, पैदल चलना हुआ जोखिम भरा स्थानीय लोगों के अनुसार, फुटपाथ पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण किया गया है। कई स्थानों पर लोगों ने अपनी निजी कारें और अन्य वाहन खड़े कर इसे स्थायी पार्किंग स्थल में बदल दिया है। वहीं दूसरी ओर, कुछ लोगों ने ठेले, खोमचे और अस्थायी दुकानें लगाकर फुटपाथ को पूरी तरह घेर लिया है। स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि कुछ स्थानों पर पक्की दुकानें तक बना ली गई हैं, जिससे यह साफ है कि अतिक्रमण अस्थायी नहीं बल्कि स्थायी रूप ले चुका है।

राहगीरों के लिए बढ़ा खतरा

फुटपाथ पर कब्जा होने के कारण पैदल चलने वालों को मजबूरन मुख्य सड़क का सहारा लेना पड़ रहा है। इस रोड पर छोटे बड़े वाहनों का ज्यादा आवागमन रहता है, इससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। विशेषज्ञों के अनुसार, शहरी यातायात व्यवस्था में फुटपाथ का मुख्य उद्देश्य पैदल यात्रियों की सुरक्षा होता है, लेकिन जब वही फुटपाथ अतिक्रमण की चपेट में आ जाए, तो सड़क पर अव्यवस्था और हादसों की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित इस समस्या का सबसे ज्यादा असर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों पर पड़ रहा है। स्कूल जाने वाले बच्चों और कामकाजी लोगों को रोजाना इस परेशानी से जूझना पड़ता है। कई अभिभावकों ने चिंता जताई है कि बच्चों को सड़क किनारे चलना पड़ रहा है, जिससे किसी भी समय दुर्घटना हो सकती है।

स्थानीय लोगों में रोष, कई बार की जा चुकी शिकायतें

क्षेत्रवासियों का कहना है कि इस समस्या को लेकर नगर निगम और संबंधित विभागों को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

लोगों का आरोप है कि समय-समय पर अभियान चलाकर औपचारिक कार्रवाई तो की जाती है, लेकिन कुछ ही दिनों में स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है।

युवक ने खुद को लगाई आग, 50% से ज्यादा झुलसा जिला अस्पताल में जिंदगी की जंग

नामकरण कार्यक्रम में गया था परिवार, घर पर अकेले युवक ने उठाया खौफनाक कदम

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना प्रेमनगर क्षेत्र के चाहबाई मोहल्ला में बुधवार देर रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक ने घर के अंदर खुद को आग लगा ली। इस दर्दनाक घटना में 25 वर्षीय जितेंद्र सैनी बुरी तरह झुलस गया, जिसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। घायल की मां गिरीश कुमारी के अनुसार, बुधवार रात परिवार के सभी सदस्य पड़ोस में एक नामकरण कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। इसी दौरान जितेंद्र घर पर अकेला था। इसी बीच उसने किसी ज्वलनशील पदार्थ को अपने ऊपर डालकर आग लगा ली।

चीखों से मचा हड़कंप, लोगों ने बचाई जान

आग की लपटें और युवक की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े। स्थानीय लोगों और परिजनों ने तत्परता दिखाते हुए पानी डालकर किसी तरह आग बुझाई और तुरंत एंबुलेंस बुलाकर उसे जिला अस्पताल पहुंचाया।

50% से अधिक झुलसा, हालत बेहद गंभीर

डॉक्टरों के मुताबिक, जितेंद्र का शरीर 50 प्रतिशत से अधिक जल चुका है, जिससे उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। अस्पताल में उसका इलाज जारी है और डॉक्टर लगातार निगरानी में रखे हुए हैं। बताया जा रहा है कि जितेंद्र हरिपीर क्षेत्र में फूल बेचने का काम करता था।

हालांकि उसने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। घटना के बाद से परिवार गहरे सदमे में है और पूरे मोहल्ले में सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस भी मामले की जानकारी में है और घटना के पीछे की वजह तलाशने में जुटी है।

थर्ड डिग्री का सनसनीखेज आरोपः बेगुनाह बेटे को स्मैक केस में फंसाने का दावा, एसएसपी दफ्तर में फूटा परिवार का गुस्सा

दहेज की मांग और दुष्कर्म की कोशिश

तंग आकर विवाहिता ने पति समेत ससुरालियों पर कराई रिपोर्ट दर्ज

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली । इज्जतनगर थाना क्षेत्र में एक विवाहिता ने अपने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता का आरोप है कि शादी में लाखों रुपये खर्च करने के बावजूद ससुराल वाले दहेज से संतुष्ट नहीं हुए और लगातार अतिरिक्त मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करते रहे।

पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 23 अप्रैल 2024 को पीलीभीत निवासी से हिन्दू रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। शादी में उसके परिवार ने करीब 35 लाख रुपये खर्च किए, लेकिन इसके बावजूद पति, सास-ससुर और अन्य ससुरालजन एक कार और 5 लाख रुपये नकद की मांग करते रहे।

दुष्कर्म की कोशिश का भी आरोप

पीड़िता ने आरोप लगाया कि 21 अप्रैल 2026 की रात उसका नन्दोई कमरे में घुस आया और उसके साथ गलत हरकत करते हुए जबरदस्ती पकड़ लिया। विरोध करने और शोर मचाने पर अन्य परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन कार्रवाई करने के बजाय उल्टा उसे ही दोषी ठहराया गया।

जब तक दहेज नहीं लाओगी, ऐसा ही होगा

पीड़िता के अनुसार, ससुराल वालों ने साफ शब्दों में कहा कि जब तक वह मायके से कार और 5 लाख रुपये नहीं लाएगी, तब तक उसके साथ इसी तरह का व्यवहार होता रहेगा। इसके बाद उसके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी देते हुए उसे घर से निकाल दिया गया। पीड़िता ने इज्जतनगर थाने में तहरीर देकर पति सहित ससुराल पक्ष के कई लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।